

त्रिपुरा के व्यक्ति पर नरस्तीय टिप्पणी मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी सोशल मीडिया इन्पलुएंसर पर दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया इन्पलुएंसर आभिर शौकीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो से जुड़ा है, जिसमें त्रिपुरा के एक व्यक्ति के साथ कथित तौर पर नस्लीय दुर्व्यवहार और अपमानजनक टिप्पणी की गई। सोशल मीडिया इन्पलुएंसर आभिर शौकीन दिल्ली का निवासी है। शिकायत के आधार पर दिल्ली के सदर बाजार थाने में पुलिस ने गुरुवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192, 196, 352, 353, के तहत मुकदमा दर्ज किया। जानकारी सामने आई कि आभिर शौकीन पर पहले भी आईपीसी की धारा 323/324/504/506 के तहत मुकदमे दर्ज हैं। इस मामले में ‘त्रिपुरा स्टूडेंट्स फोरम दिल्ली’ ने दिल्ली पुलिस को एक आपाधिक शिकायत दी थी, जिसमें एफआईआर दर्ज करने और मामले की तुरंत जांच करने की मांग की गई थी। शिकायत में कहा गया, ‘हम चाहते हैं कि आप इस्टाग्राम पर वायरल हो रहे वीडियो पर तुरंत कार्रवाई करें। इस वीडियो में एक सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर की ओर से त्रिपुरा के एक व्यक्ति के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और अपमानजनक बर्ताव किया जा रहा है।’ फोरम ने यह भी आरोप लगाया कि वीडियो में उस व्यक्ति के लिए ‘चिकी’ और ‘चाइनीज’ जैसे नस्लीय रूप से अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। फोरम ने वीडियो में त्रिपुरा के लिए अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह न केवल उस व्यक्ति का, बल्कि पूरे राज्य के लोगों का भी अपमान है। शिकायत में कहा गया है, ‘जब किसी व्यक्ति को उसकी जातीय या क्षेत्रीय पहचान के आधार पर नीचा दिखाने या अपमानित करने के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, तो यह नस्लीय पूर्वाग्रह, गरिमा और समान व्यवहार को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है।’ यह टट्टाकामें तब साबित हुआ, जब केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजु ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया। बाद में, त्रिपुरा पुलिस ने राज्य के एक युवक पर नस्लीय दुर्व्यवहार और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में आभिर शौकीन पर कानूनी धाराओं के तहत केस दर्ज किया।

दिल्ली से गाड़ियां चुराकर झारखंड में खपाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो थार और चार बाइक बरामद

नई दिल्ली/रांची (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से महंगी गाड़ियां चुराकर झारखंड में खपाने वाले गिरोह के रांची स्थित ठिकाने पर छापेमारी की है। इस दौरान दो थार एसयूवी और चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस की एक टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से गुरुवार को कांके थाना क्षेत्र की सुहाना सिटी में एक आवास पर तलाशी ली। बताया गया है कि यह ठिकाना वाहन चोरी के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध का है। हालांकि, छापेमारी के दौरान आरोपी मौके पर नहीं मिला। पुलिस की जांच दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महंगी गाड़ियों की चोरी की घटनाओं से शुरू हुई थी। इन मामलों की पड़ताल के दौरान मिले सुराग के आधार पर जांचकर्ताओं की रांची में चोरी के वाहनों की मौजूदगी की जानकारी मिली। छापेमारी में बरामद की गई दो थार एसयूवी पर दिल्ली के नंबर दर्ज हैं। इसके अलावा चार मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस सभी वाहनों के नंबर लेटे और दस्तावेजों की जांच कर रही है ताकि उनके वास्तविक मालिकों और चोरी से जुड़े मामलों का पता लगाया जा सके। जांच एजेंसी को संदेह है कि दिल्ली और आसपास के इलाकों से चोरी किए गए वाहनों को रांची लाकर उनकी पहचान बदलने या फजी दस्तावेजों के सहारे बेचने की कोशिश की जाती थी। हालांकि, बरामद वाहनों के संबंध में विस्तृत जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वे किन स्थानों से चोरी किए गए थे और इस नेटवर्क में उनकी क्या भूमिका थी। छापेमारी के दौरान संदिग्ध के नहीं मिलने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जांचकर्ताओं का ध्यान अब इस बात का पता लगाने पर है कि वाहन चोरी के इस कथित नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा चोरी के वाहनों को दूसरे राज्यों में पहुंचाने और बेचने के लिए किन तरीकों का इस्तेमाल किया जाता था।

दिल्ली पुलिस ने 30 अक्टूबर को जेलएन स्टेडियम में दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम को अनुमति नहीं दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों और त्योहारों के मौसम का हवाला देते हुए 30 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के प्रस्तावित संगीत कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस कार्रवाई में बड़ी संख्या में प्रशंसकों के जुटने की उम्मीद थी। हालांकि इस फैसले के पीछे के कारणों के बारे में विस्तृत विवरण तुरंत उपलब्ध नहीं हो सका। दिल्ली में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम दिलजीत के ‘ऑर्ला वर्ल्ड टूर’ के भारत चरण की शुरुआत करता। राष्ट्रीय राजधानी के बाद उन्हें छह शहरों – इंदौर, अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ और चंडीगढ़ जाना था। ‘वर्ल्ड टूर’ के तहत, दिलजीत उत्तर अमेरिका व यूरोप के कई देशों और ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुति दे चुके हैं।

यमुना में झगग खत्म करने के लिए टैंडर प्रक्रिया पर आप ने सवाल उठाए

-सौरभ का दावा कि डीफोनिंग के लिए एक काम के चार टैंडर निकाले, कंपनियों को बोली लगाने के लिए सिर्फ पांच दिन दिए



नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना में झगग खत्म करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड की ओर से जारी टेंडर प्रक्रिया पर आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि टेंडर खुलने से तीन दिन पहले ही कालिंदी कुज बाट पर एक कंपनी ने काम शुरू कर दिया था। उन्होंने इसे जल बोर्ड और ठेकेदार के बीच मिलीभगत का संकेत बताया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र एडिनेंसी हुई है। आप मुख्यालय में बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता के दौरान भारद्वाज ने कहा कि यमुना में झगग हटना (डीफोनिंग) के एक काम के लिए चार अलग-अलग टेंडर जारी किए गए। उनका दावा है कि काम को चार हिस्सों में बांटने से जल बोर्ड के मेंबर वाटर से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियों को बोली लगाने के लिए निर्धारित 21 दिन के बजाय केवल पांच दिन दिए गए। भारद्वाज के मुताबिक, टेंडर 13 अक्टूबर को जारी किए गए और प्री-बिड बैठक 15 अक्टूबर को रखी गई। बैठक में शामिल होना अनिवार्य किया गया था। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में दूसरी शहरों की कंपनियों के लिए प्रक्रिया में शामिल होना मुश्किल था। उनके अनुसार, दो टेंडर 21 अक्टूबर और बाकी दो 22 अक्टूबर को खोले जाने थे। भारद्वाज ने मामले की जांच की मांग करते हुए भाजपा सरकार पर टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लगाए। जल बोर्ड या संबंधित कंपनी का पक्ष इस विज्ञप्ति में शामिल नहीं है।

इहबास के नर्सिंग अधिकारी सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस 2026 पर लात किले में प्राथमिक उपचार सेवाएं देने वाले मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) के नर्सिंग अधिकारियों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान इहबास के संयुक्त निदेशक (प्रशासन) लीप्टनेट कर्नल आरके शर्मा ने प्रदान किया। नर्सिंग अधिकारियों ने सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड के सहयोग से समारोह में लोगों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। कार्यक्रम में इहबास के निदेशक प्रो. डॉ. आरके प्रेमजी भी मौजूद थे। अधिकारियों ने उनके सेवा कार्य की सराहना की। लात किले पर बड़े आयोजनों में तुरंत चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होती है।

दिल्ली सरकार स्वच्छ यमुना के संकल्प पर कायम, उन्हें जरूर मिलेगा उपहार: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना पुनरुद्धार परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में शामिल होने के बाद दावा किया कि दिल्ली की भाजपा सरकार स्वच्छ यमुना के संकल्प पर कायम है। हम दिल्लीवासियों को यह उपहार देने में सक्षम होंगे।

मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए बहुत खुशी का दिन है। करीब 9,000 करोड़ रुपए की लागत से जिन परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास किया गया है, वे दिल्ली के हर नागरिक की लंबे समय से चली आ

रही उम्मीदों को पूरा करती हैं। इनमें सीवर लाइनें बिछाना, जल उपचार संयंत्र लगाना, सीवर लाइनों को सीवेज उपचार संयंत्रों से जोड़ना और नए सीवेज उपचार संयंत्रों का निर्माण करना शामिल है। चंद्रवल जैसी स्वच्छ यमुना के संकल्प पर कायम है। हम कह सकते हैं कि सरकार ने यमुना के पुनरुद्धार का काम शुरू कर दिया है और अपने कार्यकाल के पिछले डेढ़ वर्षों में हमने इस दिशा में लगातार ठोस प्रगति की है। कुछ ही वर्षों में यमुना साफ हो जानी चाहिए और बिना किसी रुकावट के बहनी चाहिए। हम दिल्लीवासियों को यह उपहार देने में सक्षम

होंगे। हम अपने संकल्प पर कायम हैं और इसे पूरा करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मिशन स्वच्छ यमुना को नई गति देने के लिए समस्त दिल्लीवासियों की ओर से केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का हृदय से आभार। श्याम नगर में गृहमंत्री के द्वारा 8,941 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली 43 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ। इन परियोजनाओं के तहत नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनेंगे, पुराने प्लांट की क्षमता बढ़ेगी, सीवर नेटवर्क का विस्तार होगा और जल निकासी की

व्यवस्था सुधरेगी। इससे यमुना में गंदे पानी को जाने से रोकने में बड़ी मदद मिलेगी। हमने संकल्प लिया है कि मां यमुना को स्वच्छ बनाकर ही रहेंगे। यह दिल्लीवासियों से हमारा वादा है और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी। पीएम मोदी के मार्गदर्शन और गृह मंत्री के निरंतर सहयोग से हम इस संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रहे हैं। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया था उनकी आधारशिला रखी गई। इन परियोजनाओं में सीवर कनेक्शन, नई सीवर लाइनें बिछाना



और विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्रों का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि पानी और सीवर पर काम करने वाली बेस्ट कंपनियां दिल्ली में आकर काम कर रही हैं।

डीयू का दीक्षांत समारोह 20 नवंबर को, अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) का 103वां दीक्षांत समारोह 20 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे, जबकि डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह अध्यक्षता करेंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति ने गुरुवार को संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीयू के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुरुप्रत सिंह टुट्टेजा, कल्चरल काउंसिल के अध्यक्ष एवं जनसंपर्क अधिकारी अनूप लाठर, डीन अकादमिक प्रो. के. रत्नाबती सहित विभिन्न समितियों के समन्वयक और अधिकारी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार होगा, जब विद्यार्थियों को उनकी डिग्री पूर्ण करने वाले वर्ष में ही डिग्री प्रदान की जाएगी। कई विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने अथवा नौकरी प्राप्त करने के लिए डिग्री की आवश्यकता होती है। ऐसे में उन्हें समय पर डिग्री उपलब्ध कराने और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रो. योगेश सिंह के अनुसार इस वर्ष दीक्षांत समारोह में 85,231 स्नातक और 7,235 परास्नातक विद्यार्थियों को डिग्रीया प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त 400 से अधिक पीएचडी शोधार्थियों को भी उपाधियां दी जाएंगी। समारोह के दौरान 163 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, एक विद्यार्थी को रजत पदक और 34 विद्यार्थियों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

उपराज्यपाल ने द्वारका पुलिस स्टेशन का दौरा करके सेवाओं का लिया जायजा



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गुरुवार को द्वारका सेक्टर 23 पुलिस स्टेशन का अचानक दौरा किया। उन्होंने इस दौरान पुलिस स्टेशन की कार्य-तैयारी, पुलिसिंग इफ़ारेक्चर और नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा भी लिया। उपराज्यपाल ने यहां मौजूद पुलिसकर्मियों से बातचीत की और शिकायतों के निवारण की व्यवस्था, आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई की तैयारी और स्थानीय निगरानी प्रणालियों का आकलन किया। इस दौरान शिकायतों का जल्द समाधान, आपातकालीन स्थिति में समय पर मदद, सुरक्षित पड़ोस और जनता के साथ सम्मानजनक व पारदर्शी व्यवहार पर जोर दिया गया। उन्होंने सक्रिय गश्त (पेट्रोलिंग), समयबद्ध कार्रवाई और जवाबदेह सेवा देने पर जोर दिया गया।

केजरीवाल ने यमुना में डुबकी लगाने का झूठा वादा किया : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) को निशाने पर लिया। गृह मंत्री ने यमुना नदी के पुनरुद्धार के उद्देश्य से 43 दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं की लागत 8,941 करोड़ रुपये हैं। सभी को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ‘मैं आज दिल्ली की जनता को कहने आया हूं कि दिल्ली की सरकार बनते ही हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ही महीने में एक बड़ी बैठक बुलाकर यमुना जी को शुद्ध करने की उनकी संकल्पना दिल्ली सरकार और गृह मंत्रालय के सामने उन्होंने रखी थी। मुझे खुशी है कि इतने कम समय में हमने 40 प्रतिशत से ज्यादा मजल काटने का काम कर लिया है। आज ये 9 हजार करोड़ की योजना में गंदे पानी को शुद्ध करने और कई प्रकार के पीने के पानी की योजना का आज लोकार्पण और भूमिपूजन भी हो रहा है।’ शाह ने कहा, ‘दिल्ली में एक अलग खेल चल रहा है। लगातार भाजपा की सरकारें चुनकर आ रही हैं। उनको पेट में दर्द है इसलिए इन्होंने वोट चोरी का बहाना बनाया है। वो कहते हैं कि भाजपा वोट चोरी करती है। गहलू मांभी आपको और आपके साथियों को पूरा देश समझ रहा है और समझ भी गया है। वोट चोरी करके आप घुसपैठियों का वोट बचाना चाहते हो। मगर आज इस मंच से मैं कांग्रेस पार्टी और उनके साथियों को कहना चाहता हूं कि कभी डीवीएम का बहाना लगाते हो तो कभी वोट चोरी का बहाना मगर मैं आपको बताता हूं कि भाजपा की केंद्र में मोदी सरकार बनने से पहले आप कभी भी कई राज्यों में चुनकर नहीं आए।’ गृह मंत्री ने कहा, ‘केजरीवाल जी आपने 3 बार यमुना में डुबकी लगाने का झूठा वादा किया। आपने तो डुबकी नहीं लगाई लेकिन आपके कटआउट को डुबकी लगावाई तो वो भी बीमार हो गया और एम्स में भर्ती काम पड़ा। यमुना के शुद्धिकरण के लिए आपने कुछ काम नहीं किया... विश्व स्तरीय काम भाजपा की सरकार ने किया है और 3 साल का एक एक्शन प्लान हमने बनाया है। हम दिल्ली के हर घर को गटर के पानी के सीवरज का कनेक्शन देंगे और हर घर में शुद्ध पीने का पानी पहुंचाने का काम भी भाजपा करेगी।’



नहीं देते हैं। जैसा ही मैंने पहले भी बताया था कि जो वाहन पुराने हो चुकी है उस पर रोक लगाई गई है और यह जारी रहेगी। अगर वह सड़क पर दिखाई देती है तो उसको हम दूसरी तरफ भेज सकते हैं।

दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय हेरोइन नेटवर्क का किया भंडाफोड़, सात आरोपी गिरफ्तार, 60 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली पुलिस ने हेरोइन बनाने और उसकी आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह नेटवर्क दिल्ली, हरियाणा से लेकर उत्तर प्रदेश और झारखंड तक फैला हुआ था। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 8.128 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 60 करोड़ रुपए है। ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ के तहत रोहिणी जिले के स्पेशल स्ट्राफ की ओर से चलाए गए अभियान में हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाले 3.291 किलोग्राम रसायन और कच्चा माल, 12.81 लाख रुपए नकद, तीन एसयूवी, एक मोटरसाइकिल और नशीले पदार्थों के अवैध उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए गए। जांच में सप्लायरों, हेरोइन बनाने वाली एक यूनिट और अफीम की अवैध खेती में शामिल एक व्यक्ति के बीच संबंधों की बात भी सामने आई है। इस अभियान की शुरुआत 16 सितंबर को उस वक्त हुई थी,



दीपक पांडे कर रहे थे। गुप्त सूचना मिलने पर टीम ने अशाक नगर इलाके में जाल बिछाया और आरोपी को उस समय पकड़ लिया, जब वह प्रतिबंधित पटाखों से भरे कई बोरे ले जा रहा था। इन पटाखों का कुल वजन 57.8 किलोग्राम था। इस बरामदगी के बाद, ज्योति नगर पुलिस स्टेशन में 21 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज की गई। मामले की जांच

मुझे गालियां पढ़ेंगी, लेकिन..., योगेंद्र यादव ने कहा- अभी मोदी का इस्तीफा नहीं चाहते लोग

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बीच प्रदर्शनकारियों को एक ऐसी सलाह दी है, जिसको लेकर उन्होंने खुद को गालियां दिए जाने की आशंका भी व्यक्त की और कहा कि ऐसा हो भी रहा है। खराज इंडिया के प्रमुख और पॉलिटिकल एक्टिविस्ट योगेंद्र यादव ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस्तीफा या रेजीम चेंज की बात करने वालों को नसीहत दी कि यह अभी इस आंदोलन की मांग नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी जनआंदोलन नेता की इच्छा पर नहीं, इसमें शामिल लोगों की इच्छा पर सफल होता है। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के

खिलाफ आंदोलन में कॉकरोच जनता पार्टी और अन्य संगठनों के साथ कदम ताल करते हुए दिखने वाले योगेंद्र यादव ने माना कि इस आंदोलन को जो आम लोग समर्थन दे रहे हैं वह मोदी सरकार का इस्तीफा या सत्ता परिवर्तन की मांग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग अभी सिर्फ नियम्य चुनाव चाहते हैं। यादव ने वरिष्ठ पत्रकार अजीत अंजुम को दिए इंटरव्यू में कहा, ‘इस आंदोलन के माध्यम से यह मांग करना कि मोदी सरकार इस्तीफा दे, यह अभी इस आंदोलन की मांग नहीं हो सकती है। क्योंकि यह हजारों लोग आए हैं, जो लाखों लोग समर्थन कर रहे हैं और जिन करोड़ों लोगों की थोड़ी सहानुभूति है वह एक न्यूनतम चीज चाहते हैं, वहीं तक हमें सीमित रहना चाहिए।

मैं जानता हूं कि यह कहने के बाद बहुत गालियां पड़ेगी, क्योंकि इस देश में असहमति की भाषा तो हमें आती नहीं है। मूल्योक्तन की की असहमति हम कर नहीं सकते हैं तो गाली की भाषा हमारे देश में उपलब्ध है। लेकिन मेरी जिम्मेदारी बनती है कि मैं इस गंभीर बात को लोगों के सामने रखूं। योगेंद्र यादव ने ‘रेजीम चेंज’ की उठाई जा रही मांग और इससे आंदोलन को पहुंच चोट को लेकर नृंछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इन शब्दों के इस्तेमाल में कोई अपराध नहीं है। लेकिन अभी यह आंदोलन सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, ‘आज हमारी प्राथमिकता, राजनीतिक समझदारी क्या होनी चाहिए, वह मैं बताता हूं। मेरे

विचार से यह जो आंदोलन है उसका ताल्कालिक लक्ष्य या मांग रेजीम चेंज नहीं है, नहीं होनी चाहिए। लोकतांत्रिक अर्थ में भी जो बिब्ल्यू सकारात्मक है, लोकतंत्र के माध्यम से सत्ता परिवर्तन। मैं समझता हूं कि यह आंदोलन सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं है। यह आंदोलन चुनावी सुधार ही नहीं फ्री एंड फेयर चुनाव सुनिश्चित करने के लिए है। यह बात मैंने कही तो इसमें कई लोग गुस्सा भी हो गए। हमारे देश में राजनीतिक समझदारी की ऐसी अवस्था आ गई है कि तुम मेरी भाषा को मेरे शब्द में नहीं बोलेगें तो तुम आरएसएस के दलाल हो। मैंने पहले भी कहा तो गालियां पड़ीं और फिर जोखिम लेकर कह रहा हूं।’

दिल्ली में ग्रैप-1 को लेकर ट्रैफिक पुलिस करेगी सख्ती, पीयूसीसी और पुरानी गाड़ियों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी।

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू कर दिया गया है। इसके तहत, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस (ग्रैप) का पहला चरण लागू कर दिया गया है। इसके तहत दिल्ली ट्रैफिक पुलिस यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज करेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की एडिशनल सीपी (ट्रैफिक) विजयंता आर्या ने लोगों से अपने वाहनों का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) वैध रखने और आवश्यकता के अनुसार सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की अपील की है। एडिशनल सीपी (ट्रैफिक) विजयंता आर्या

ने बताया कि दिल्ली में ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू कर दिया गया है। इसके तहत, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस (ग्रैप) का पहला चरण लागू कर दिया गया है। इसके साथ ही लोगों को ट्रैफिक नियमों का भी पालन करना चाहिए, ताकि अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट (पीयूसीसी) को वैध रखें। पुरानी हो चुकी गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और इसे और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो कमर्शियल गाड़ियां दिल्ली के लिए नहीं हैं, उन्हें बॉर्डर से ही दूसरी तरफ भेज दिया जाएगा। साथ ही साथ खुले में निर्माण कार्य और निर्माण/तोड़-फोड़ से निकले कचरे को ले जाने वाली गाड़ियों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज की जाएगी, हम

जिससे दिल्ली में ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान के नियमों का पालन कराया जा सके। इसीलिए हम लोगों को अपील करते हैं कि नियमों का पालन करें। विजयंता आर्या ने बताया कि हम लोगों से आग्रह करते हैं कि लोग अपने पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट को सही रखें और समय-समय पर इसको चेक कराते रहें, जिससे परेशानी न हो। इसके साथ ही आवश्यकता होने पर ज्यादा से ज्यादा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें जिससे एक दूसरे को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ग्रेड रिसॉन्स एक्शन प्लान के पहला चरण में कुछ तरीके की गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। उनको हम सख्त पर चलाने की अनुमति

संक्षिप्त डायरी

क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचीं दो टीमें

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में चल रही अंतरसंस्थागत खेल प्रतियोगिता संगठन 2026 में बुधवार को पुरुष क्रिकेट के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। इसमें एमिटी लॉ स्कूल नोएडा और एमिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंस व एमिटी स्कूल ऑफ बिजनेस की संयुक्त टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में एमिटी लॉ स्कूल ने एमिटी ग्लोबल बिजनेस स्कूल को 14 रन से हराया। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 138 रन बनाए। तितांशु ने 46 और रित्विक ने 40 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमिटी ग्लोबल बिजनेस स्कूल की टीम 124 रन ही बना सकी। ऋषभ ने 57 रन बनाए। दूसरे सेमीफाइनल में एमिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंस व एमिटी स्कूल ऑफ बिजनेस की संयुक्त टीम ने एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी को छह विकेट से हराया। बायोटेक्नोलॉजी की टीम 74 रन पर सिमट गई। जवाब में संयुक्त टीम ने 78 रन बनाकर जीत दर्ज की। अनसुब ने 32 और सुवेद ने 15 रन बनाए। अब गुरुवार को दोनों विजेता टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

नवरात्र महोत्सव का भक्तिभाव से समापन एजेंसी

नोएडा। शहर के मंदिरों में दस दिवसीय नवरात्रि महोत्सव का समापन श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ। सेक्टर-62 स्थित वैदिक प्रचार संस्थान के श्री विनायक व कार्तिकेय मंदिर में चंडी होमम, दीप पूजा और गोलू आकर्षण रहे। मां दुर्गा और मां त्रिपुरा सुंदरी का अभिषेक कर चांदी के कवच से श्रृंगार किया गया। महाप्रसाद वितरण और अन्नदान में एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव में कर्नाटक शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां भी हुईं। वहीं, सेक्टर-22 स्थित श्री वरसिद्धि विनायक मंदिर में ललितार सहस्रनाम पाठ, गोलू सज्जा और चना प्रसाद वितरण किया गया।

डेल्टा-1 में सर्विस रोड की मरम्मत शुरू एजेंसी

नोएडा। सेक्टर डेल्टा-1 की कमर्शियल बेल्ट में टूटी हुई सर्विस रोड की रिसरफेसिंग का कार्य शुरू करा दिया गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के डिवीजन-4 के अंतर्गत यह कार्य डेल्टा-1 पेट्रोल पंप से विप्रो चौक तक कराया जा रहा है। टेक्निकल टीम के संतराम भाटी ने बताया कि सड़क का कार्य आज पूरा करा दिया जाएगा। बीते सप्ताह प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल और वरिष्ठ प्रबंधक राजेश नीम ने आरडब्ल्यूए को सड़क जल्द ठीक कराने का आश्वासन दिया था। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कार्य शुरू कराया गया। मौके पर संतराम भाटी के साथ आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रमोद भाटी और उपाध्यक्ष प्रमोद नारार ने निरीक्षण किया। अध्यक्ष प्रमोद भाटी ने प्राधिकरण के अधिकारियों का सहयोग के लिए आभार जताया।

दशहरे पर शस्त्र पूजन और हवन किया एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान के सम्राट पृथ्वीराज चौहान भवन में दशहरे पर शस्त्र पूजन और हवन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विश्व शांति और राष्ट्र की उन्नति की कामना की गई। इसके लिए हवन में आहुतियां अर्पित की गईं। कार्यक्रम में नोएडा के विधायक पंकज सिंह, पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह, पूर्व मंत्री मदन चौहान, एमिटी विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. आनंद चौहान और प्रकाश हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. वीएस चौहान मौजूद रहे। इस दौरान संस्थान के अध्यक्ष प्रेम चौहान, उपाध्यक्ष करतार सिंह चौहान, संरक्षक मान सिंह चौहान, महासचिव राघव ठा और कोषाध्यक्ष प्रमोद राणा उपस्थित रहे। इनके अलावा सुधीर चौहान, कुलदीप परमार, एनपी सिंह, अंकुर चौहान और मिंदू चौहान समेत समाज के कई गणमान्य लोग भी शामिल हुए।

गाड़ी व ट्रक ट्राला की टक्कर होने पर चालक घायल

एजेंसी **नोएडा**। कोतवाली दायरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर मायचा गांव के समीप एक गाड़ी की ट्रक ट्राला से टक्कर हो गई। टक्कर होने पर गाड़ी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि बुलंदशहर जनपद के शेरपुर गांव में दीपक परिवार के साथ रहते हैं। उनके चाचा जोगिंदर सिंह 11 सितंबर को गाड़ी में माल भरकर ग्रेटर नोएडा से सोनीपत जा रहे थे। मायचा गांव के समीप पहुंचे तो ट्रक ट्राला से टक्कर हो गई। टक्कर होने पर गाड़ी चालक जोगिंदर सिंह गंभीर चोट लगने पर घायल हो गए। घायल होने पर उन्हें कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की एक माह बाद कोतवाली में ट्रक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत ग्रामीण जागरूक

एजेंसी **नोएडा**। जेवर ब्लॉक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक कर रही हैं। कर्मचारियों की ओर से ग्रामीणों को साफ-सफाई रखने, घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य लोगों को बीमारियों के प्रति जागरूक कर संक्रमण के खतरे को कम करना है। जेवर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सर्फे जया ने बताया कि मौसम में बदलाव और आसपास गंदगी व पानी जमा होने के कारण संचारी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभियान चलाकर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों को पूरे कपड़े पहनने, घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और साफ पानी का इस्तेमाल करने की सलाह भी दी जा रही है।

लेगेसी वॉरियर्स ने त्रिशूल टाइगर्स को हराया एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित संचुरियन क्रिकेट मैदान पर संचुरियन कप सीजन-16 के लोग मुकाबले में लेगेसी वॉरियर्स ने त्रिशूल टाइगर्स को 14 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लेगेसी वॉरियर्स ने नौ विकेट पर 146 रन बनाए। राकेश ने 74 रन बनाए। नीरज अधिकारी ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए त्रिशूल टाइगर्स आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। सुनील रतैला ने 62 रन बनाए। अमित गौड़ ने तीन और राकेश ने दो विकेट लिए। राकेश मैन ऑफ द मैच चुने गए।

सिंदूर खेला के बाद मां दुर्गा को दी भावुक विदाई एजेंसी

नोएडा। आनंदोधारा बंगाली सांस्कृतिक संघ की ओर से आयोजित शारदीय दुर्गाोत्सव का समापन बुधवार को मां दुर्गा की प्रतिमा की विदाई के साथ हुआ। इससे पहले महिलाओं ने बंगाली परंपरा के अनुसार सिंदूर खेला में भाग लिया और मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर सुख-समृद्धि तथा परिवार की खुशहाली की कामना की। इस दौरान मून स्टार बैंक्रेट हॉल जायकारों, शंख ध्वनि और ढाक की थाप से गुंज उठा। उत्सव के अंतिम दिन श्रद्धा, उल्लास और भावुकता का अनूठा संगम देखने को मिला। महिलाओं ने एक-दूसरे को लगाया सिंदूर दुर्गा पूजा के अंतिम दिन आयोजित सिंदूर खेला में महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित करने के बाद एक-दूसरे के माथे और चेहरे पर सिंदूर लगाया। इस पारंपरिक आयोजन में महिलाओं ने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बंगाली संस्कृति में सिंदूर खेला का विशेष महत्व है। इसे सौभाग्य, प्रेम और आपसी सद्भाव का प्रतीक माना जाता है।

हरियाणा

नोएडा में यमुना प्राधिकरण पर धरने से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी **नोएडा**। यमुना प्राधिकरण पर किसानों के प्रस्तावित महापड़ाव से ठीक पहले पुलिस की तरफ से की गई कार्रवाई के कारण पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल पूरी तरह से बन गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसान संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के किसान अपनी वर्षों से लंबित पड़ी मांगों को लेकर प्राधिकरण कार्यालय पर शांतिपूर्ण ढंग से धरना देने के लिए आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने पूरी मुस्तैदी दिखाते हुए पूरी चौक के पास अंसल के नजदीक से 50 से अधिक किसानों को हिरासत में ले लिया। किसानों के इस प्रदर्शन को पूरी तरह से विफल करने और रोकने के लिए यमुना प्राधिकरण की ओर जाने वाले तमाम रास्तों पर पुलिस बल द्वारा कड़ी नोकेबंदी कर दी गई थी। इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए रास्ते से गुजर रहे किसानों को रोककर हिरासत में लिए जाने की

लैपटॉप नहीं देने पर कंपनी को ब्याज समेत लौटाने होंगे 55 हजार रुपये

एजेंसी **ग्रेटर नोएडा**। ग्रेटर नोएडा, 21 अक्टूबर (वेब वार्ता)। जिला उपभोक्ता आयोग ने इग्नफिनिटी रिटेल लिमिटेड को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। कंपनी को दो लैपटॉप के नाम पर रकम लेकर डिलीवरी न करने का दोषी पाया। आयोग ने कंपनी को 55,433 रुपये छह प्रतिशत वार्षिक वार्षिक ब्याज के साथ लौटाने का आदेश दिया है। नोएडा के नीरज कुमार ने 24 सितंबर 2022 को क्रोमा से एक लैपटॉप ऑर्डर किया था। उन्होंने 34,990 रुपये का भुगतान क्रेडिट कार्ड से किया। उन्हें एचपी कंपनी का इस्तेमाल किया हुआ और खरोंच वाला लैपटॉप मिला। उन्होंने लैपटॉप लौटाने का अनुरोध किया, पर कंपनी ने एक महीने तक संपर्क नहीं किया। बाद में रकम वापसी का पता चला, लेकिन लैपटॉप वापस नहीं लिया गया था। जून 2023 में कंपनी को इस अधूरी प्रक्रिया का पता चला। क्रोमा सेंटर के राहुल और हिमांशु ने नीरज से संपर्क किया और लैपटॉप वापस ले जाने पर सहमति बनी।20 जून 2023 को नीरज ने अपने भाई के लिए एक और एचपी लैपटॉप ऑर्डर किया। यह लैपटॉप उनके पते के ब्रेजाय क्रोमा सेंटर पहुंचा दिया गया। कंपनी ने उन्हें संदेश भेजकर बताया कि लैपटॉप 27 जून 2023 को डिलीवर हो गया है। नीरज ने आरोप लगाया कि पुराने लैपटॉप की वापसी के बाद ही नया लैपटॉप देने की बात थी। पुराने लैपटॉप को रिवायती दर पर देने के नाम पर 14 हजार रुपये नकद और 13,943 रुपये के कूपन लिए गए। लेकिन उन्हें नया लैपटॉप नहीं मिला। इस प्रकार दोनों लैपटॉप से जुड़ी कुल 55,433 रुपये की रकम कंपनी के पास बकाया रही। नीरज कुमार ने रकम वापस न मिलने पर जिला उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया। आयोग ने मानसिक संताप के लिए पांच हजार रुपये और वाद व्यय के रूप में एक हजार रुपये भी देने का आदेश दिया। यह राशि 30 दिन के भीतर अदा करनी होगी। मामले की सुनवाई आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजु शर्मा ने की।

गौतमबुद्ध नगर में 32 केंद्रों पर होगी PET-2026 परीक्षा, जिला प्रशासन ने कसी कमर

एजेंसी **नोएडा**। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2026 यानी द्दष्ट को बिल्कुल सकुशल, शांतिपूर्ण और पूरी तरह नकलविहीन तरीके से संपन्न कराने के लिए गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने अपनी तरफ से तैयारियां बेहद तेज कर दी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पूरे जनपद में आगामी 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर 2026 के दौरान कुल 32 परीक्षा केंद्रों पर दो पाँलियों में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय तय किया गया है जिसमें यह सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक और इसके अलावा शाम को 3 बजे से 5 बजे तक संपन्न कराई जाएगी।इस परीक्षा से जुड़ी तमाम तैयारियों की समीक्षा करने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रियंका ने जिला आपदा



प्रबंधन प्राधिकरण के सभागार में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और इसके साथ ही केन्द्र व्यवस्थापक भी शामिल हुए। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रियंका ने बैठक में मौजूद सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही सभी आवश्यक तैयारियां उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के तय किए गए मानकों के

जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलाव पर मंत्रालय मांगेगा कारोबारियों से राय

फॉर्म 1 अप्रैल, 2027 से प्रभावी; ऑडिट प्रक्रिया भी होगी सरल

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय मासिक जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलावों पर 1 नवंबर से कारोबारियों से राय मांगेगा। इसका उद्देश्य कर प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, विसंगतियों को कम करना और अनुपालन बोझ को आसान बनाना है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक अे अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में देनदारियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में संशोधन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था को मंजूरी मिली थी। इन बदलावों का लक्ष्य जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और आईएफएफ में दी गई जानकारी का जीएसटीआर-3बी से बेहतर मिलान कर नोटिस जारी करने की जरूरत घटाना है। संशोधित फॉर्म एमवाईजीओवी मंच पर 1 से 30 नवंबर तक सार्वजनिक परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगे। इन्हें 1 अप्रैल, 2027 से लागू करने की योजना है। विभाग जीएसटी ऑडिट प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित करेगा, ताकि करदाताओं को अनावश्यक परेशानी न हो। फिलहाल, बहु-राज्यीय कारोबारों को अक्सर कई ऑडिट का सामना करना पड़ता है, जिसे कम करने पर भी विचार किया जा रहा है।

वित्तीय संस्थानों की वृद्धि का मंत्र शक्ति, समृद्धि और विवेक- आरबीआई मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने वित्तीय संस्थानों की वृद्धि का आकलन करने के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। उन्होंने जोर दिया कि संस्थानों का विकास केवल उनके आकार से नहीं, बल्कि मजबूत नियंत्रण व्यवस्था, कामकाज में निष्पक्षता और बही-खातों की गुणवत्ता के आधार पर किया जाना चाहिए। स्वामीनाथन ने बताया कि वित्तीय संस्थानों की मजबूती ही उनकी वृद्धि की नींव होती है। उन्होंने नवरात्रि के उदाहरण से समझाया कि पहले शक्ति (दुर्गा), फिर समृद्धि (लक्ष्मी) और अंततः उसे बनाए रखने के लिए बुद्धिमत्ता एवं विवेक (सरस्वती) की आवश्यकता होती है। इसी क्रम में, दिवाली पर शुभ लाभ लिखने की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें केवल लाभ (कमाई) ही नहीं, बल्कि उसकी शुभ (गुणवत्ता और वैधता) भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सही निर्णय और बेहतर संचालन व्यवस्था ही वृद्धि को टिकाऊ बनाते हैं।

पयूजन सीएक्स का शेयर एनएसई पर 5.5 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,300 करोड़ रुपये के पार



नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित ग्राहक अनुभव समाधान देने वाली कंपनी पयूजन सीएक्स लिमिटेड ने गुरुवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 289 रुपये से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह दिखा। पयूजन सीएक्स का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 5.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 305 रुपये पर खुला। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर यह 1.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 292 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। सूचीबद्ध होने के बाद, कंपनी का बाजार पूंजीकरण एनएसई पर 4,310 करोड़ रुपये और बीएसई पर 4,340 करोड़ रुपये से अधिक रहा। पयूजन सीएक्स के 702 करोड़ रुपये के आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली लगाने के अंतिम दिन 4.45 गुना अधिदान मिला था। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई राशि में से 275 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी, जबकि 61 करोड़ रुपये अनुपंगी कर्पनियों में निवेश किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग अधिग्रहण और अन्य रणनीतिक पहलों के लिए होगा। कंपनी दूरसंचार, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करती है।

पोस्ट ऑफिस एफडी स्कीम-3 साल के लिए 5 लाख जमा करने पर मिलेंगे 6.18 लाख

छोटी बचत की सरकारी योजना में अलग-अलग अवधि पर 7.50 फीसदी तक ब्याज

नई दिल्ली । शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर, सुरक्षित और तय रिटर्न की तलाश करने वालों के लिए पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी) एक आकर्षक विकल्प है। भारत सरकार द्वारा समर्थित यह योजना बैंक एफडी की तरह ही काम करती है, जहाँ आपको निवेश पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको निश्चित ब्याज मिलता है। यह सरकारी स्कीम भारत की छोटी

बचत योजनाओं का हिस्सा है,

जिसमें जमा आपका पूरा पैसा सुरक्षित रहता है। आप इसमें

न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश

शुरू कर सकते हैं और अधिकतम

की कोई सीमा नहीं है। इसमें जमा

पूजी पर बाजार के जोखिमों का

कोई असर नहीं होता, क्योंकि

ब्याज दर पहले से तय होती है।

पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में

अलग-अलग अवधियों के लिए

ब्याज दरें अलग होती हैं। वर्तमान

में एक साल के लिए 6.90

फीसदी, दो साल के लिए 7.00

फीसदी, तीन साल के लिए 7.10

फीसदी और 5 साल की अवधि

पर सबसे ज्यादा 7.50 फीसदी

वार्षिक ब्याज मिलता है। निवेश से

पहले संबंधित पोस्ट ऑफिस में

ताजा दरों की पुष्टि अवश्य करें।

उदाहरण के लिए, अगर आप तीन

साल के लिए 5 लाख रुपए निवेश

करते हैं, तो 7.10 फीसदी की दर

से आपको मैच्योरिटी पर कुल

6,18,304 रुपए मिलेंगे, जिसमें

1,18,304 रुपए केवल ब्याज

शामिल होगा। टैक्स छूट की बात

करें, तो केवल 5 साल की

पीओटीडी पर ही आयकर

अधिनियम की धारा 80सी के

तहत 1.5 लाख तक की कटौती

का लाभ मिलता है। 3 साल की

एफडी पर यह छूट लागू नहीं होती

है। टैक्स नियम आपकी चुनी हुई

कर व्यवस्था पर भी निर्भर करते

बीएल एग्रो तंजानिया में 7,000 करोड़ निवेश करेगी

खाद्य तेल, डेयरी और कृषि समेत कई क्षेत्रों में अगले 10 साल में होगा निवेश

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य तेल और कृषि क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बीएल एग्रो ने वैश्विक बाजार में प्रवेश करते हुए तंजानिया में बड़े निवेश की घोषणा की है। कंपनी अगले दस सालों में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो खाद्य तेल, डेयरी, कृषि और विनिर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। यह

विस्तार 2030 तक 30,000 करोड़ रुपये का समूह बनने की कंपनी की महत्वाकांक्षा का हिस्सा है। बीएल एग्रो ने तंजानिया को उसकी विशाल भूमि, अनुकूल जलवायु, कई बंदरगाहों और सरकारी समर्थन (रियायती दरों पर 99 साल के लिए भूमि पट्टा) के कारण चुना। पहले चरण में कंपनी 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से 1,100 टन प्रतिदिन क्षमता वाला

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 460, निफ्टी 123 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया। बाजार में चौतरफा कमजोरी देखी गई, जिसका मुख्य कारण वैश्विक कमजोर संकेत, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू बॉन्ड यील्ड में उछाल रहा।इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 460.30 अंक टूटकर 73,249.39 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 123.70 अंक नीचे आकर 22,687.65 पर बंद हुआ। आज सबसे ज्यादा नुकसान छोटे शेयरों वाले सेक्टर पर पड़ा। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। गत दिवस जहां बाजार पूंजीकर 4,62,37,678.67 करोड़ था। जो आज घटकर ₹4,58,35,517.82 करोड़ रह गया। जिससे निवेशकों को एक ही दिन के अंदर ₹4,02,160.85 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आज एफएमसीजी से लेकर आईटी और ऑटो सेक्टर में भी गिरावट रही। केवल पीएसयू बैंक और फार्मा सेक्टर के शेयर ही टिक पाये। चौतरफा बिकवाली के इस दौर में कुछ ही शेयरों में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स पर कुल 30



शेयर लिस्टेड हैं, जिनमें से आज 19 शेयर गिरे पर केवल 11 शेयरों में बढ़त रही। सबसे अधिक तेजी आज बजाज फाइनेंस में देखने को मिली। , जो 939.95 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट भी बढ़त के साथ 10,975.00 रुपये और आईसीआईसीआई बैंक

1,394.80 रुपये पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ शुरू हुआ। सुबह बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ खुले और दिन भर बिकवाली का दबाव जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 73,100 और निफ्टी 22,600 के महत्वपूर्ण स्तरों से नीचे फिसल गए।

म्युचुअल फंड एनएफओ में सितंबर में बड़ी गिरावट

सितंबर में 67 फीसदी कम जुटाया, एसआईपी ने सुआ रिकॉर्ड स्तर

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड की नई स्कीमों (एनएफओ) में निवेश सितंबर महीने में नाटकीय रूप से गिरा है। अगस्त के मुकाबले लगभग 67 फीसदी की भारी कमी के साथ, नई स्कीमों ने केवल 2,372 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि पिछले महीने यह आंकड़ा 7,110 करोड़ रुपये था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने रिकॉर्ड ऊंचाई छू ली है और इकटिी म्युचुअल फंड्स में कुल शुद्ध प्रवाह भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों की बदलती

प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में 22 नई ओपन-एंडेड स्कीमों ने 2,372 करोड़ रुपए जुटाए, जो अगस्त में 26 स्कीमों द्वारा जुटाए गए 7,110 करोड़ रुपए से काफी कम है। यह स्थिति तब हैरान करती है जब सितंबर में इकटिी म्युचुअल फंड्स में शुद्ध प्रवाह लगभग 31 फीसदी बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए रहा और एसआईपी के माध्यम से रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपए का निवेश आया। श्रेणीवार देखें तो, इकटिी, हाइब्रिड और डेट तीनों ही एनएफओ कैटेगरी के कलेक्शन में भारी गिरावट दर्ज की



गई। इकटिी एनएफओ का कलेक्शन 3,051 करोड़ रुपए से घटकर 998 करोड़ रुपए रह गया, जबकि हाइब्रिड और डेट एनएफओ में भी समान रुझान दिखा।

हालांकि, इंडेक्स फंड्स में एनएफओ की संख्या और कलेक्शन दोनों में बढ़ोतरी देखी

वाहनों को कबाड़ में बदलने फोर्स मोटर्स ने रोस्मर्टा से साझेदारी की

मुम्बई ।

पुणे स्थित फोर्स मोटर्स ने पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए रोस्मर्टा ऑटो रिसाइक्लिंग के साथ साझेदारी की है। गुरुवार को बयान में यह जानकारी दी गई। रोस्मर्टा ने कहा कि इस साझेदारी से फोर्स मोटर्स के ग्राहकों को उसकी सुविधा का लाभ मिलेगा और समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों को हटाने के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया उपलब्ध होगी।

इस साझेदारी के तहत पात्र वाहनों के लिए जरूरी दस्तावेजी कार्रवाई और कबाड़ बनाने की प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। बयान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संचालित अधिकृत पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधा (आरवीएसएफ) रोस्मर्टा प्रदूषण नियंत्रण, वाहन खेलने और सामग्री पुनः प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के जरिये समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों के पुनर्चक्रण के लिए पर्यावरण संबंधी मानकों के अनुरूप समाधान उपलब्ध कराती है।



महंगी विदेश यात्रा से बढ़ा घरेलू पर्यटन

राज्य पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे

नई दिल्ली ।

व्योहारों के इस मौसम में महंगी विदेश यात्रा और देश में घूमने की बढ़ती दिलचस्पी के कारण घरेलू पर्यटन में उछाल आया है। कई राज्य इस मौके को भुनाने के लिए विशेष पैकेज, प्रचार अभियान और नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देकर पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे हैं।

केरल बेहतर अनुभव देने के लिए विशेष पर्यटन पैकेज पेश कर रहा है, उत्तर प्रदेश ने 'विजिट माई स्टेट' अभियान शुरू किया है, और राजस्थान सरकार एडवेंचर टूरिज्म, डेजेंट सफरी तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। भारत में घरेलू पर्यटकों की यात्राओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है; वर्ष 2025 में इसके 4.28 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 के 2.9 अरब से लगभग डेढ़ गुना अधिक है। 2011 से 2024 के बीच घरेलू यात्राओं में सालाना औसतन 9.89 फीसदी की वृद्धि हुई है। विदेश यात्राओं की लागत भारतीय निर्यातकों और ब्रिटिश आयातकों ने हिस्सा लिया।

उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव और यात्रा सुविधाओं में सुधार ने भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया है। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना जैसी पहल भी राज्यों के इन प्रयासों को मजबूत कर रही हैं, जिससे कम चर्चित पर्यटन स्थल भी लोगों की पहुंच में आ रहे हैं।

जन-केंद्रित विकास से वैश्विक सहयोग की नई दिशा तय करेगा 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच



विनोद सिंह ‘तकियावाला’

नई दिल्ली के संविधान सदन में 26 और 27 अक्तूबर को होने वाला यह सम्मेलन वैश्विक संसदीय सहयोग को नई दिशा देने का अवसर है। जन-केंद्रित विकास को केंद्र में रखकर होने वाला मंथन इस बात को रेखांकित करेगा कि संसदों की प्रभावशीलता का अंतिम उद्देश्य नागरिकों के हितों की रक्षा, लोकतांत्रिक जवाबदेही को मजबूत करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की आधारशिला तैयार करना है।

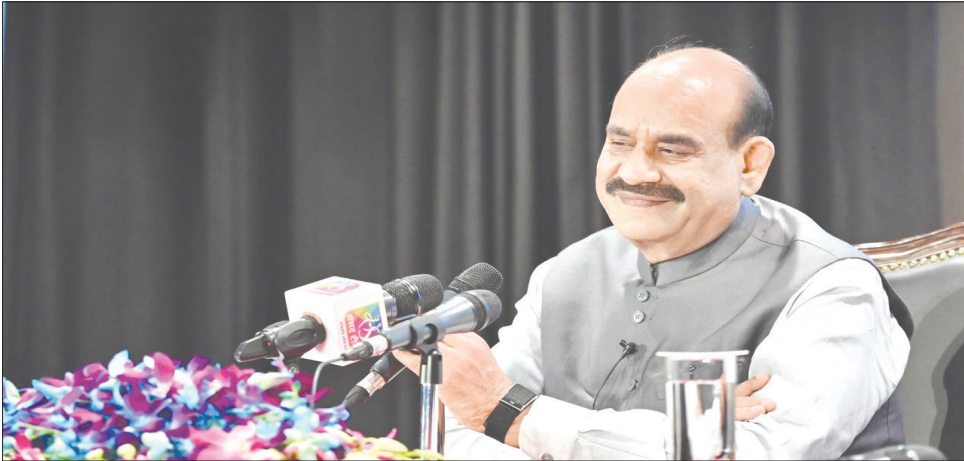
भारत की अध्यक्षता में 26-27 अक्तूबर को नई दिल्ली में जुटेगे वैश्विक संसदीय नेता; संस्थागत सुदृढ़ता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक शासन सुधार और सतत विकास पर होगा

महामंथन...

नई दिल्ली।वैश्विक राजनीति, आर्थिक सहयोग और तकनीकी परिवर्तन के मौजूदा दौर में संसदों की भूमिका केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं रह गई है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति, विकास की प्रक्रिया में जनभागीदारी और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान में संसदीय संवाद का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारत की अध्यक्षता में 26 और 27 अक्तूबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच विशेष महत्व रखता है। संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों और भागीदार देशों के संसदीय नेता जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाने के विषय पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन 26 अक्तूबर को होगा और इसका समापन 27 अक्तूबर को किया जाएगा।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 22 अक्तूबर को संसद भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सम्मेलन की रूपरेखा और प्रमुख विषयों की जानकारी देते हुए इसे भारत के संसदीय राजनय के इतिहास में एक नया अध्याय बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे और आगंतुक शिष्टमंडलों के नेताओं से भेंट करेंगे। सम्मेलन में विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों, संसदीय नेताओं, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी से लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संवाद को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसमें केंद्रीय मंत्रियों, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश तथा राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों की सहभागिता भी प्रस्तावित है।ब्रिक्स संसदीय मंच का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह विभिन्न देशों की संसदों को साझा चुनौतियों पर विचार करने, अनुभवों का आदान-प्रदान करने और सहयोग की संभावनाएँ तलाशने का अवसर प्रदान करता है। भारत की मेजबानी में होने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय आयोजित किया जा रहा है, जब दुनिया तकनीकी क्रांति, आर्थिक अनिश्चितताओं, पर्यावरणीय चुनौतियों और वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने की आवश्यकता जैसे अनेक प्रश्नों से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में संसदों के बीच नियमित संवाद केवल औपचारिक कूटनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण विकसित करने का माध्यम भी बन सकता है।

जन-केंद्रित विकास सम्मेलन का मूल आधार ->12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का मुख्य विषय ‘जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाना’ अपने आप में व्यापक अर्थ रखता है। विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचे और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। आर्थिक प्रगति के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल सुविधाओं और समान अवसरों की उपलब्धता भी विकास की कसौटी है। इस प्रक्रिया में संसदों की जिम्मेदारी नीतियों पर विचार-विमर्श करने, कानून बनाने, सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और जनहित के प्रश्नों को लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में रखने की है।

संसद जनता की आकांक्षाओं और शासन व्यवस्था के बीच महत्वपूर्ण सेतु होती है। विभिन्न देशों की सामाजिक, आर्थिक



और राजनीतिक परिस्थितियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की आकांक्षा एक साझा उद्देश्य है। इसलिए संसदीय मंच पर जन-केंद्रित विकास के विषय पर होने वाली चर्चा का महत्व केवल सदस्य देशों तक सीमित नहीं रहेगा। इसके माध्यम से यह समझने का अवसर मिलेगा कि बदलती परिस्थितियों में संसदें किस प्रकार अपनी संस्थागत क्षमता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को अधिक प्रभावी बना सकती हैं।

संस्थागत सुदृढ़ता से लोकतंत्र को मिलेगी मजबूती ->सम्मेलन के पहले उच्चस्तरीय सत्र में बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में संसदों की भूमिका पर विचार किया जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता उसके संस्थागत ढाँचे, नियमों के पालन, जवाबदेही और नागरिकों के विश्वास पर निर्भर करती है। किसी भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि उसकी संस्थाएँ बदलती चुनौतियों के बीच अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें।

संसदों के सामने आज नीतिगत जटिलताओं, तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने की चुनौती है। ऐसी स्थिति में संसदीय प्रक्रियाओं की गुणवत्ता, जनप्रतिनिधियों की क्षमता और लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत बनाना महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न देशों के अनुभवों का आदान-प्रदान इन चुनौतियों से निपटने के व्यावहारिक उपाय तलाशने में सहायक हो सकता है। संस्थागत सुदृढ़ता का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यवस्थागत सुधार नहीं, बल्कि नागरिकों के प्रति जवाबदेही और जनविश्वास को मजबूत करना भी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल परिवर्तन पर विशेष ध्यान 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का दूसरा प्रमुख सत्र नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के मानव-केंद्रित उपयोग पर केंद्रित होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक ने शासन, संचार, सूचना के आदान-प्रदान तथा सार्वजनिक सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन की व्यापक संभावनाएँ पैदा की हैं। इन तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सूचनाओं तक पहुँच बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।हालाँकि, तकनीकी प्रगति के साथ डेटा की सुरक्षा, निजता, पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग से जुड़े प्रश्न भी सामने आते हैं। संसदों की भूमिका इन अवसरों और चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण है। कानून और नीतियाँ ऐसी होनी चाहिए, जो नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ नागरिकों

के अधिकारों तथा सार्वजनिक हितों की रक्षा भी करें।भारत में डिजिटल परिवर्तन के बढ़ते महत्व को देखते हुए इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय संसदीय विमर्श विशेष प्रासंगिकता रखता है। अलग-अलग देशों के अनुभवों से यह समझने में मदद मिल सकती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किस प्रकार जनहित में किया जाए और तकनीकी विकास के लाभ व्यापक समाज तक कैसे पहुँचाए जाएँ। मानव-केंद्रित नवाचार का आशय यही है कि तकनीक का मूल्यांकन केवल उसकी क्षमता से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन में उसके वास्तविक योगदान से भी किया जाए।

वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता ->सम्मेलन के तीसरे सत्र में संसदीय सहयोग के माध्यम से अधिक प्रतिनिधिक वैश्विक शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार किया जाएगा। वर्तमान विश्व व्यवस्था में अनेक ऐसे विषय हैं, जिनका प्रभाव किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। आर्थिक सहयोग, तकनीकी बदलाव, पर्यावरणीय संकट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की कार्यक्षमता जैसे प्रश्नों पर व्यापक संवाद की आवश्यकता है। ऐसे विषयों पर किसी एक देश के प्रयासों के साथ-साथ देशों के बीच सहयोग भी महत्वपूर्ण होता है।वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने का प्रश्न इस बात से जुड़ा है कि अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में विभिन्न देशों की आवाज और उनके हितों को किस प्रकार प्रभावी स्थान मिले। ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंच इस संदर्भ में विचारों के आदान-प्रदान और साझा प्राथमिकताओं की पहचान के अवसर उपलब्ध कराते हैं। संसदों के बीच सहयोग से अंतरराष्ट्रीय विषयों को लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से समझने और नीतिगत विमर्श को व्यापक बनाने में सहायता मिल सकती है।

भारत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन इस बात पर विचार करने का अवसर देगा कि संसदीय कूटनीति वैश्विक प्रश्नों के सुधार, संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने में किस प्रकार योगदान कर सकती है। इसके परिणामों का महत्व केवल बैठकों तक सीमित न रहकर साझा दृष्टिकोण और भविष्य के सहयोग की दिशा तय करने में भी निहित होगा। सतत और समावेशी विकास पर साझा दृष्टिकोण ->चौथा उच्चस्तरीय सत्र सतत एवं समावेशी भविष्य के निर्माण में संसदों की भूमिका पर केंद्रित रहेगा। विकास की निरंतरता के लिए आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। आज लिए जाने वाले नीतिगत निर्णयों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है। इसलिए विकास की ऐसी अवधारणा को महत्व देना आवश्यक है, जिसमें वर्तमान आवश्यकताओं की

चुनौतियों के बावजूद बढ़ती हिंदी



उमेश चतुर्वेदी

बांग्ला संस्कृति का मूल स्वर सहिष्णुता, उदारता और समन्वय का रहा है। उन्नीसवीं सदी में बंगाल की धरती ने नवजागरण का स्वागत किया, जिसके मूल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर और स्वामी विवेकानंद के विचार रहे। इस समन्वय की संस्कृति का ही अस्पर रहा कि बंगाल की ही धरती से ना सिर्फ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव हुआ, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत भी हुईं। लेकिन वही बंगाल बदल गया है। बांग्ला संस्कृति समन्वय के सूत्रों को कहीं पीछे छोड़ती नजर आने लगी है। अगर ऐसा नहीं होता तो कोलकाता नगर निगम के उस पोस्टर पर विवाद नहीं होता, जिसमें बांग्ला और हिंदी भाषा के शब्दों का अनूठ और कलात्मक संगम था। बांग्ला संस्कृति के प्रतीक पर्व दुर्गा पूजा के दौर में भाषायी सौंदर्य और कला के अनूठे मेल पर राजनीति ने जब सवाल उठाया तो कोलकाता नगर निगम ने अपना पोस्टर ही वापस ले लिया। शायद निगम ने सोचा होगा कि उत्साह और उल्लस का स्वाद

क्या यह सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने का समय है?



डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

फिलहाल सिर्फ भारत में नहीं सारी दुनिया में सरकारों के खिलाफ आम आदमी का असंतोष सड़कों पर दिखाई दे रहा है। सबसे ज्यादा अथल पुष्टल दक्षिण पश्चिमी यूरोप में हो रही है जहां फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली, अल्बानिया आदि में अलग अलग मुद्दों पर प्रदर्शन चल रहे हैं। अगर फ्रांस और इटली में स्कूलों की बदहाली से नाराजगी है तो स्पेन और पुर्तगाल के नागरिक बढ़ते

राजनीतिक कंकड़ से खराब ना हो।

जिस पोस्टर पर विवाद हुआ, उसके बारे में जानना जरूरी है। यह भी जानना जरूरी है कि आखिर उसमें क्या रहा, जिससे पश्चिम बंगाल का विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस परेशान हो गया। दरअसल दुर्गा पूजा के दौरान दस से 21 अक्टूबर तक कोलकाता नगर निगम ने देश की पूर्व राजधानी वाले शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के लिए एक विशेष पोस्टर जारी किया था। जिसमें लिखा था, %मायेर कोरबो स्वच्छता से स्वागत% यानी मां दुर्गा का स्वागत स्वच्छता से करेंगे। जैसा कि शब्दों से पता चलता है, पोस्टर के अकेले वाक्य में बांग्ला और हिंदी शब्दों का अनूठ मेल पेश किया गया। विज्ञापन के भाषा की जिन्हें समझ है, उन्हें पता है कि बांग्ला और हिंदी के इस अनूठे मेल के जरिए जो संदेश दिया गया, वह कितना प्रभावी रहा। लेकिन तृणमूल कांग्रेस को इस वाक्य के तीन शब्द ‘स्वच्छता से स्वागत’ बांगल में हिंदी थोपने का षड्यंत्र नजर आने लगा। वैसे भी राज्य में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भाषाया की पहचान हिंदुत्व और हिंदी को लेकर रही है। इसलिए तृणमूल के लिए यह आरोप लगाना और उसे भाजपा के हिंदी वर्चस्ववाद के छद्म नैरेटिव से जोड़ना आसान रहा। लेकिन कोलकाता नगर निगम ने राजनीति से किनारा करना उचित समझा और इसे बदलने में उसने देर नहीं लगाई। पोस्टर के वाक्य को पूरी तरह बांग्ला कर दिया, %स्वच्छतार साथे, मां के स्वागत जनाई% कर दिया। बांग्ला के इस वाक्य का भाव वही है, जो पहले वाक्य का रहा। अफसोस यह कि राजनीति की वजह से भाषाई मेल का अनूठापन

गायब हो गया।

संविधान सभा में हिंदी को जितनी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, उससे ज्यादा हिंदी इन दिनों वह चुनौतियों से जूझ रही है। वैसे तो तमिल जैसी क्षेत्रीय राजनीतिक अस्मिताएं हिंदी की राह में रोड़े डालती रही हैं। इसका साथ कभी कर्नाटक तो कभी महाराष्ट्र देता रहा है। यहां गौर करने की बात यह है कि भारतीय राष्ट्रीयता के अंतर्गत कई उपराष्ट्रीयताएँ भी हैं, जिसे हम क्षेत्रीय अस्मिताओं के नाम से भी जानते हैं। भारतीय राष्ट्रीयता का मूल स्वर हिंदी के जरिए उद्घाटित होता है। जिसे हम हिंदी हार्टलैंड या हृदय प्रदेश कहते हैं, वहां राष्ट्रीयता पर अपवादस्वरूप ही सवाल उठते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीयताएं अक्सर हिंदी पर हमले के बहाने राष्ट्रीयता को प्रकाशित से चुनौती देती रहती हैं। तब उनका एक मात्र तर्क यही होता है कि हिंदी थोपी जा रही है। दिलचस्प यह है कि जिस भाषा ने करीब दो सौ साल तक देश को गुलाम बनाए रखा, उसे अपनाने में उपराष्ट्रीयताएं गवं समझती हैं। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठेस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। इसीलिए उन्होंने अपने आखिरी भाषण में कहा था कि वे संविधान के पृष्ठों पर गांधीजी को खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें गांधी नजर नहीं आए। पता नहीं, तृणमूल कांग्रेस को यह पता है या नहीं, लेकिन उसे जानना चाहिए कि आर्य समाज के प्रमुख

ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को हिंदी में लिखने के लिए बांग्ला माटी के सपूत केशवचंद्र सेन ने स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रेरित किया था। भावी भारत की संपर्क या राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में देखने वाले प्राथमिक लोगों में केशवचंद्र सेन भी रहे। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की माटी के क्रांतिकारी सपूत सुभाष चंद्र बोस ने ना सिर्फ हिंदी सीखने के लिए शिक्षक रखा था, बल्कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष के नाते पिछली सदी के तीस के दशक में हिंदी को लेकर अर्थपूर्ण भाषण भी दिया था। हिंदी पर सवाल कभी-कभी कर्नाटक में भी उठता है और किर्चिंत महाराष्ट्र में भी। लेकिन हिंदी को स्वाधीनता से पहले से ही सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु में मिलती रही है। हाल ही में तमिलनाडु के करूर और कोयंबटूर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली दवाओं के पर्चों के कवर पर तमिल और अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी निर्देश छोए गए थे। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करते हुए विपक्षी द्रमुक पार्टी के नेता टी.आर.वी. राजा ने सवाल उठाया कि क्या तमिलनाडु में चुपचाप %तीन-भाषा नीति% लागू की जा चुकी है। हिंदी की ग्रंथि से प्रभावित तमिलनाडु राजनीति सवाल उठाए तो विवाद होना ही था। जब विवाद बढ़ा तो दोनों सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों ने मरीजों को दिए जाने वाले त्रिभाषी कवर का वितरण अत्काल रोक दिया और उसकी जगह तमिल और अंग्रेजी लिखी पर्चियां जारी कर दीं। तमिलनाडु में हाल ही में राजमार्ग के साइनबोर्ड पर हिंदी लिखे जाने को लेकर भी विवाद खड़ा किया गया।

सरकार से टैक्स के पैसों के बारे में सवाल कर सके। कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के चलते कई बार न्यायालय भी यह कह चुके हैं कि सरकार को पूरा अधिकार है कि वह अपने राजस्व और संसाधनों का उपयोग अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के अनुसार कर सके। मगर सरकार की नीतियां कैसे होनी चाहिये, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है! आज देश में वोट बैंक के लालच में ऐसी मुफ्तखोरी की योजनाओं की भरमार है जो केन्द्र सरकार के साथ अधिकांश राज्य सरकारों के लिये गले की हड्डी बन चुकी हैं। हालात यह हैं कि सरकारें कर्ज लेकर इस योजनाओं को किसी तरह चलाने पर मजबूर हैं। एक नजरिये से लोक कल्याण के लिये ऐसी नीति का पालन करना उचित है लेकिन यदि सरकार केवल चुनावी लाभ के लिये करे तब यह निरसंहर्द अनुचित है। बार बार यह सवाल भी उठया जाता है कि सरकारी खजाने से ये मुफ्तखोरी कब तक चल पाएगी और इसका देश की अर्थव्यवस्था पर क्या दुष्प्रभाव पड़ेगा। यह सब और इस बात के लिये है कि ऐसी मुफ्तखोरी से किस तरह का समाज तैयार किया जा रहा है।

रूस का एसयू-30 फाइटर जेट कलिनिनग्राद में दुर्घटनाग्रस्त, क्रू सुरक्षित

मॉस्को, एजेंसी। रूस का एक ताकतवर एसयू-30 मल्टीरोल फाइटर जेट शनिवार, 21 अक्टूबर को कलिनिनग्राद क्षेत्र में नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना ने बाल्टिक सागर के आसपास के रणनीतिक इलाकों को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि विमान में सवार क्रू ने समय रहते इजेक्ट कर लिया और जमीन पर मौजूद सर्व एंड रेस्क्यू टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, मंत्रालय ने क्रू के सदस्यों की चोटों या विमान दुर्घटना के कारणों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी है। एक रूसी समर्थक टीवीग्राम चैनल के अनुसार, विमान कलिनिनग्राद से लगभग 90 किलोमीटर पूर्व में चेर्न्योखोव्स्क शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस चैनल ने यह भी दावा किया कि दोनों पायलट घायल हुए और उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। रक्षा मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया कि दुर्घटना के समय विमान में कोई हथियार नहीं था। फिलहाल इस घटना को ट्रेनिंग उड़ान के दौरान हुआ एक हादसा माना जा रहा है, और उपलब्ध जानकारी में किसी बाहरी हमले या कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। एसयू-30 रूस का दो सीटों वाला एक उन्नत मल्टीरोल फाइटर जेट है। इसे हवाई में दुरभ्मन के विमानों से मुकाबला करने और जमीन पर मौजूद लक्ष्यों पर हमला करने सहित विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी दो सीटों वाली संरचना पायलट और एक अन्य क्रू सदस्य को उड़ान और मिशन से जुड़े कामों के दौरान बेहतर समन्वय और कार्यभार प्रबंधन में मदद करती है, जिससे इसकी बहुमुखी क्षमता बढ़ जाती है। यह घटना रूस के कलिनिनग्राद क्षेत्र में हुई है, जो रूस का एक एक्सक्लेव (मुख्य भूभाग से अलग स्थित क्षेत्र) है। यह बाल्टिक सागर के तट पर स्थित है और नाटो सदस्य देशों पोलैंड और लिथुआनिया के साथ अपनी सीमा साझा करता है। अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, कलिनिनग्राद में रूस की भारी सैन्य उपस्थिति रहती है और इसे बाल्टिक सागर क्षेत्र में रूस के लिए एक महत्वपूर्ण भौगोलिक चौकी माना जाता है। इस संवेदनशील क्षेत्र में एक लड़ाकू विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना, भले ही इसे एक प्रशिक्षण दुर्घटना बताया गया हो, क्षेत्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से हमेशा महत्वपूर्ण माना जाता है।

पाकिस्तान, तुर्की, कतर और इंडोनेशिया ने बद्र रक्षा समझौते पर किए हस्ताक्षर

दोहा, एजेंसी। पाकिस्तान, तुर्की, कतर और इंडोनेशिया ने मिलकर रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन चारों देशों ने बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में एक बहुपक्षीय ‘बद्र समझौता ज्ञान’ पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का प्राथमिक उद्देश्य रक्षा उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण और नई तकनीक के क्षेत्र में एक साथ मिलकर काम करना है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश पहले से ही अपने रक्षा संबंधों को मजबूत कर रहे हैं, और इसे उनकी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के एक महत्वपूर्ण संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। समझौते का मुख्य जोर चारों देशों के बीच रक्षा उद्योग से जुड़े सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत ये देश अपनी मौजूदा रक्षा क्षमताओं और औद्योगिक अनुभव का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे। बद्र समझौते में तीन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है- पहला, रक्षा उत्पादन, जिसमें चारों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच तालमेल बढ़ाना और संयुक्त उत्पादन क्षमता को मजबूत करना शामिल है। दूसरा, सैन्य प्रशिक्षण, जिसमें सैनिकों और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कर्मियों के प्रशिक्षण में गहन सहयोग करना है; और तीसरा, रिसर्च एवं नई तकनीक, जिसमें रक्षा से संबंधित अनुसंधान और विकास में साझा प्रयास करना है। यह त्रि-आयामी दृष्टिकोण उनकी सामूहिक रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

13 देशों के 101 संगठन गुप्त तरीके से भड़का रहे हिंसा की आग

भारत से फांस तक हिंसक प्रदर्शनों के पीछे की कहानी

पेरिस, एजेंसी। दुनिया भर में भड़कने वाले हिंसक विरोध-प्रदर्शनों और जनोत्थलों के पीछे एक सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का सनसनीखेज पर्वाफाश हुआ है। एक विस्तृत खोजी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि 13 देशों के 101 संगठन मिलकर एक ग्लोबल प्रोटेस्ट इकोसिस्टम चला रहे हैं। इस खुलासे के मुताबिक फ्रांस की सड़कों पर मचे बवाल से लेकर भारत और अन्य मुल्कों में युवाओं के नेतृत्व में होने वाले बड़े आंदोलनों के तार आपस में सीधे जुड़े हुए हैं। यह नेटवर्क स्थानीय मुद्दों और जनआक्रोश को हवा देकर सीमाओं के पार अराजकता फैलाने और उसका दायरा बढ़ाने का काम कर रहा है। यह पड़ताल उस अदृश्य तंत्र की परतें खोलती है, जो पर्दे के पीछे से वैश्विक अशांति की स्क्रिप्ट तैयार करता है। इस सिंडिकेट में वामपंथी और समाजवादी संगठन, ट्रेड यूनियनें, छात्र गुट, एडवोकेसी नेटवर्क और कुछ मीडिया संस्थान सक्रिय रूप से शामिल हैं। यह नेटवर्क

अलग-अलग देशों के स्थानीय असंतोष को एक मंच पर लाकर उसे अंतरराष्ट्रीय रंग देने की रणनीति अपनाता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक देश में शुरू होने वाले विरोध-प्रदर्शन के संदेशों, नारों और एजेंडे को दूसरे देशों में तेजी से वायरल और संगठित करने में ये संगठन अहम भूमिका निभाते हैं। नैरिटव और टाइमिंग बिल्कुल एक जैसी जांच में यह भी रेखांकित किया गया है कि अलग-अलग देशों की समस्याएं भले ही भिन्न हों, लेकिन उनके विरोध का तरीका, नैरिटव और टाइमिंग बिल्कुल एक जैसी नजर आती है। यह पूरा ढांचा किसी सीमा में बंधा नहीं है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की तरह काम करता है जो दुनिया भर में सरकारों के खदामत असंतोष भड़काने और रक्षा को खाद-पानी देने के लिए तालमेल बिछता है। एक पुरानी जांच में फ्रांस के छत्र विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े 50 संगठनों की पहचान की गई थी, जो अब बढ़कर 101 तक पहुंच गई है।

इन संगठनों की भूमिका पर सवाल इस जांच में ‘इंडियन अलायंस पेरिस’ का भी जिक्र है, जो फ्रांस में स्थित छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों का एक संगठन है और फ्रांस व भारत के विरोध-प्रदर्शनों के संदेशों को आपस में जोड़ता है। ‘प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल’ नामक अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संगठन ने भी 16 अक्टूबर की एक ब्रीफिंग में फ्रांस, स्पेन, भारत और अल्बानिया के भी रहे विरोध-प्रदर्शनों को एक मंच पर लाने का काम किया। रिपोर्ट में नैविल रॉय सिंधम से जुड़े संगठनों जैसे ‘बेकथ्रू न्यूज़’, ‘कोडफिंक’ और ‘पाटी फॉर सोशलिज्म एंड लिबेरेशन’ की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है, जो रिपोर्टिंग और सोशल मीडिया के जरिए विरोध प्रदर्शनों को व्यापक बनाते हैं। ‘ट्राइकॉन्टिनेंटल’ रिसर्च इंस्टीट्यूट के नेतृत्वकर्ता विजय प्रशांत ने भी ‘एक्स’ पर पेरिस, नई दिल्ली और ब्यूनास आयर्स में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच समानताएं बताईं।

मध्यावधि चुनावों के बीच छिड़ी बहस 2028 में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन?

ट्रंप ने इस पर कहा- इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी



पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस बारे में वेंस या किसी और से कभी कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि देखिए, मैं आपको इतना बता सकता हूं कि वेंस बहुत प्रतिभाशाली और अच्छे इंसान हैं, लेकिन सच कहूं तो... मुझे नहीं लगता कि हमने इस बारे में कभी कोई बातचीत की है। ट्रंप के ठीक पीछे खड़े वेंस ने मुस्कराते हुए हामी भरी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि जी नहीं सर, मैंने भी यही कहा था। ट्रंप ने पत्रकार से कहा कि किसी का समर्थन करने के लिए अभी बहुत जल्दी है। फिलहाल वह और रिपब्लिकन पार्टी 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हालांकि इस बात पर बहस चल रही है कि ट्रंप के बाद कौन आएगा, लेकिन पिछले साल वेंस ने कहा था कि अगर कोई अनहोनी होती है, तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारी संभालने के लिए बह तैयार हैं। इससे परोक्ष रूप से देश के सर्वोच्च पद के लिए उनकी महत्वाकांक्षा झलकती है। पिछले साल अगस्त में एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा था कि मुझे पूरा भरोसा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सहेत अच्छी है, वे अपना बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिकी लोगों के लिए बेहतरीन काम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर ईश्वर न करे कोई बड़ी अनहोनी हो जाती है, तो पिछले 200 दिनों में मुझे जो अनुभव मिला है, उससे बेहतर ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और क्या हो सकती है। हालांकि, ट्रम्प ने वेंस को अपना उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते अब इस बात पर फिर से बहस छिड़ गई है कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जगह कौन लेगा। अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति केवल दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। ट्रम्प का पहला कार्यकाल 2016 से 2020 तक था, और उनका दूसरा कार्यकाल 2024 के बाद शुरू हुआ। वे 2028 तक इस पद पर बने रहेंगे।

अबू धाबी की मस्जिद में बुर्का पहनकर पहुँचीं मलाइका, उठे धर्म परिवर्तन के सवाल

आबूधाबी, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल मलाइका अरोड़ा हाल ही में अबू धाबी स्थित प्रसिद्ध शेख जायद ग़्रैंड मस्जिद के दर्शन करने पहुँचीं, इसके बाद वे सोशल मीडिया पर भारी ट्रेलिंग और विवादों में घिर गई हैं। मस्जिद परिसर से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में मलाइका पारंपरिक बुर्कों में दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपना सिर पूरी तरह ढका हुआ है। इन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते ही इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मलाइका की यात्रा पर आपत्ति जताकर धार्मिक पहनावे में मॉडलिंग करार दिया। वहीं, अनेक यूजर्स ने सीधा सवाल पूछ लिया कि क्या उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया है। कुछ ट्रोल्स ने उनकी तुलना अन्य विवादित हस्तियों से की, तब कुछ ने यह तर्ज कसा कि क्या उन्होंने भारत के प्रसिद्ध राम मंदिर, जगन्नाथ मंदिर या तिरुपति बालाजी के दर्शन भी इतनी श्रद्धा के साथ किए हैं। इस मस्जिद यात्रा के दौरान मलाइका के साथ योग गुरु और सरवा वेलनेस प्लेटफॉर्म के संस्थापक सर्वेश शशि भी मौजूद थे। दोनों को एक साथ देखकर सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर भी कयासों का बाज़ार गर्म हो गया और यूजर्स ने उनके बीच नए अफेयर की चर्चा शुरू कर दी। फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया सूची में शामिल रह चुके सर्वेश और मलाइका की साथ में कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हालाँकि, अपने धर्म परिवर्तन की अफवाहों, सर्वेश शशि के साथ जुड़ रहे नाम और सोशल मीडिया पर हो रही भयंकर ट्रेलिंग को लेकर मलाइका की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।



पुतिन अमेरिका और यूक्रेन से बातचीत के लिए सहमत: यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता जारी



वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए वाशिंगटन और कीव के साथ त्रिपक्षीय वार्ता फिर से शुरू करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। अमेरिकी के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने सेंट पीटर्सबर्ग में पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव बिर्कोफ के बीच करीब तीन घंटे चली बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूसी नेता 10 नवंबर के बाद वार्ता फिर शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसका केंद्र संघर्ष समाप्त होने के बाद रूस और यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा व्यवस्था तैयार करना होगा। बिर्कोफ की पुतिन के साथ बातचीत ऐसे

सऊदी अरब में हो रहे सिलसिलेवार हमलों से दहला खाड़ी क्षेत्र

दुबई, एजेंसी। सऊदी अरब में हाल ही में हुए सिलसिलेवार हमलों ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। एक ही दिन में देश के प्रमुख तेल टिकाने और दममाम के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया, जिसमें कुल तीन लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। घायलों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है, जिससे सऊदी अरब में काम कर रहे विदेशी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि देश के दक्षिण-पूर्व में स्थित सऊदी अरामको के शाखा ऑयल फील्ड पर पहले ड्रोन हमले की कोशिश की गई। सऊदी एयर डिफेंस ने समय रहते इस ड्रोन को रोक लिया, लेकिन इसके मलबे से लगी आग की चोट में आने से नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की दुर्घाणपूर्ण मौत हो गई।

किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट हमले में एक भारतीय सहित दो लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। रियाद, (ईएमएस)। सऊदी अरब के दमाम स्थित किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए भीषण हमले में दो लोगों की दर्दनाक मौत हुई, जबकि आठ अन्य लोग घायल हुए हैं। मृतकों में एक भारतीय और एक सऊदी नागरिक शामिल हैं। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने दुखद घटना की पुष्टि कर बताया कि घायलों में भी दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। दूतावास अधिकारियों के अनुसार, वे स्थानीय प्रशासन से लगातार संपर्क में हैं और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब की जनरल अर्थॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) द्वारा जारी बयान के मुताबिक, बुधवार देर रात दमाम हवाई अड्डे को निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कुल आठ लोग घायल हुए हैं, जिसमें भारत, यमन और बांग्लादेश के दो-दो नागरिक तथा सऊदी अरब और नेपाल का एक-एक निवासी शामिल हैं। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें निकटतम अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। रियाद प्रशासन ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर हवाई अड्डे को हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।



प्राथमिक राहत और सुरक्षा जांच के बाद एयरपोर्ट पर परिचालन फिर से बहाल किया गया है और उड़ानों की आवाजाही सामान्य हो गई है। दमाम फारस की खाड़ी के तट पर स्थित एक रणनीतिक शहर है, जो बहरैन और कतर के करीब है। उल्लेखनीय है कि उसी रात सऊदी अरब के प्रमुख तेल टिकानों को निशाना बनाया गया। अरामको की बड़ी रिफाइनरी पर हुए ड्रोन हमले में नेपाल और फिलीपींस के नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय नागरिक घायल हुआ है। इन लगातार होते हमलों के बाद अमेरिका ने अपने राजनयिकों और सरकारी कर्मचारियों को परिजनों सहित सऊदी अरब छोड़ने की सलाह दी है।

रूस ने अमेरिकी नागरिक हबर्ड को बिना शर्त रिहा किया: ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई फोन बातचीत के बाद रूस ने अमेरिकी नागरिक स्टीफन हबर्ड को बिना किसी शर्त के रिहा किया है। व्हाइट हाउस में साइबर अपराध पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने बताया कि जब वे पुतिन से यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के मुद्दे पर बात कर रहे थे, तभी उन्होंने हबर्ड की रिहाई की मांग रखी थी, इस रूसी राष्ट्रपति ने तुरंत स्वीकार किया। हबर्ड को रिहा कर दिया गया है और वे अपने परिवार तथा अमेरिकी अधिकारियों के साथ विमान से वापस अमेरिका लौट रहे हैं। ट्रंप ने विशेष जोर दिया कि स्टीफन हबर्ड की रिहाई के बदले अमेरिका ने रूस को कोई रियायत या मुआवजा नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका कभी भी इस तरह के मामलों में बदले में कुछ देने की नीति पर काम नहीं करता, क्योंकि ऐसा करने से भावी समस्याएं और बढ़ जाती हैं। उन्होंने बताया कि हबर्ड और उनका परिवार इस फैसले से बेहद खुश हैं, क्योंकि उन्हें डर था कि हबर्ड को अगले 20-25 वर्षों तक जेल में ही सड़ना पड़ेगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्होंने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध या आक्रामक कदम उठाने के दबाव को नजरअंदाज किया, क्योंकि ऐसा करने से न केवल यूक्रेन शांति वार्ता को नुकसान पहुँचता, बल्कि हबर्ड की रिहाई भी असंभव हो जाती। रूस के साथ-साथ ट्रंप ने वैश्विक मुद्दों और ईरान की स्थिति पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी कार्यवाहियों के कारण ईरान की सैन्य और आर्थिक ताकत बुरी तरह टूट चुकी है। उसकी वरुषा प्रणाली और शीर्ष नेतृत्व प्रभावित हुए हैं, जिससे वह काफी कमजोर स्थिति में पहुँच गया है। ट्रंप ने इस बात पर राहत जताई कि मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रीय संघर्षों में रूस और चीन की भागीदारी बेहद सीमित रही है। उन्होंने कहा कि रूस और चीन दोनों ही युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं और अमेरिका इस दिशा में उनके साथ मिलकर काम कर रहा है।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, आतंकवाद और दाऊद को लेकर घेरा

पुरी ने दो टूक कहा- आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता



जेनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के मुद्दे पर करारा जवाब दिया है। यूएन की थर्ड कमेटी में भारत के फर्स्ट सेक्रेटरी रघु पुरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि रिपोर्टों में तथ्यात्मक गलतियाँ अस्वीकार्य हैं, खासकर जब डी-कंपनी के सरगना डॉन दाऊद इब्राहिम का अल-कायदा से संबंध बताने वाले संदर्भों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा हो। पुरी ने जोर देकर कहा कि दाऊद इब्राहिम 1993 से भारत में हुए आतंकवादी हमलों के सिलसिले में फरार है और संयुक्त राष्ट्र के 1267 प्रतिबंध तंत्र के तहत उसकी सूचीबद्धता के कारणों में भी इसका स्पष्ट उल्लेख है। उन्होंने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए ओसामा बिन लादेन का उदाहरण दिया, जिसे उसी देश में खोजकर मार गिराया गया था, जहां दाऊद इब्राहिम के रहने की बात कही जाती है। यह अप्रत्यक्ष

रूप से पाकिस्तान को उस पुरानी बात को खारिज करता है कि उसकी धरती पर कोई आतंकवादी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने साफ तौर पर कहा कि मानवाधिकारों के दांचे को आतंकवादियों, कट्टरपंथ और उग्राद, फैलाने वालों की शरणस्थली नहीं बनने दिया जा सकता। पुरी ने दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवाद को किसी भी

परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता, चाहे कोई भी बहाना क्यों न दिया जाए। यह पाकिस्तान के उस रवैये पर सीधा हमला था। पाकिस्तान की तरफ से दिए गए बयान पर निशाना साधते हुए पुरी ने इसे संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए किया गया दुष्प्रचार बताया।

उन्होंने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति

पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां की सेना भी वास्तविक शासक है, जिससे पाकिस्तान के लोकतांत्रिक दावों की पोल खुलती है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगा और पाकिस्तान के किसी भी दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देगा।

भारत सरकार लद्दाख के साथ नहीं कर रही अच्छा व्यवहार : वांगचुक

नई दिल्ली । प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोमन वांगचुक ने केंद्र पर लद्दाख के लोगों से किए गए वादों से बार–बार पीछे हटने का गंभीर आरोप लगा दिया है। अपने वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 22 अक्टूबर को वार्ता का आश्वासन देने के बाद वे दिल्ली पहुंचे थे, लेकिन अब बावचीत से इंकार किया जा रहा है। केंद्र सरकार अपने वादों से मुकर रही है, जिसमें लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा देने का मुख्य वादा भी शामिल है। वांगचुक ने कहा कि इस संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र के लोग बहुत आहत और दुखी हैं। एक और चीन का दबाव है जो लद्दाख पर अपना दावा ठोकता है, वहीं दूसरी ओर जिस भारत से यहाँ के लोगों को गहरा लगाव है, वह भी उनके साथ सही व्यवहार नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लद्दाख के नागरिकों को देश के अन्य लोगों के समान लोकतांत्रिक अधिकार नहीं दे रही है। लद्दाख की जनता को अपने प्रतिनिधियों और वोट के माध्यम से अपनी आकांक्षाएं जाहिर करने के लोकतांत्रिक अधिकार से लगातार वंचित रखा जा रहा है।

अहमदाबाद–वडोदरा एक्सप्रेसवे पर 25 करोड़ रुपये के झ्रस जब्त

अहमदाबाद । गुजरात में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। अहमदाबाद–वडोदरा एक्सप्रेसवे पर सीटीएम टोल प्लाजा के पास से करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। इस कार्रवाई के दौरान अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्करी गिरोह के 3 शांतिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। अहमदाबाद और सूरत पुलिस की काइम ब्रांच की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गए इस गुप्त अभियान में वाहन की तलाशी के दौरान 4.53 किलोग्राम हेरोइन और 2.49 किलोग्राम मेफेंड्रोन (एमडी) बरामद हुईं। पकड़े गए तस्करों की पहचान दिल्ली निवासी टिफेल नोखेज (44) और कफील अहमद (59) तथा मेरठ (उत्तर प्रदेश) निवासी मोहम्मद इमरान अल्वी (38) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी अश्वर्यस्त अपराधी हैं। आरोपी नोखेज पहले भी अमृतसर में भारी मात्रा में हेरोइन की सलाई में शामिल रहा है, जबकि कफील अहमद जयपुर और अहमदाबाद में चरस, एमडी और अफ्राजोलम की बड़ी खेप के साथ पकड़ा जा चुका है। वहीं, अल्वी का नाम मानव तस्करी और धोखाधड़ी जैसे आपराधिक मामलों में दर्ज है। पुलिस फिलहाल तीनों से पुछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ड्रग्स की यह बड़ी खेप कहाँ से लाई जा रही थी और इसे गुजरात में किसे डिलीवर किया जाना था।

उधमपुर में सौतेले बेटे ने महिला पर पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग, इलाज के दौरान दर्दनाक मौत

उधमपुर । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ घरेलू विवाद के चलते एक सौतेले बेटे ने अपनी मां को पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला दिया। गंभीर रूप से झुलसी महिला की इलाज के दौरान मौत हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी सौतेले बेटे को गिरफ्तार किया है। घटना उधमपुर के हाउसिंग कॉलोनी इलाके की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मोक्ष वर्मा ने अपने घर के भीतर ही अपनी 42 वर्षीय सौतेली मां सुषमा घटी पर ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल) छिड़क कर आग लगा दी। आग की लपटों से घिरी महिला की वीख–पुकार सुनकर पड़ोसी और परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई।

कलाकारों की आवाज दबाना लोकतंत्र पर सीधा हमला, यह सेंसरशिप का उदाहरण: गहलोत

रेहान वाद्रा की प्रदर्शनी से 70 से ज्यादा तस्वीरें हटाने पर बीजेपी सरकार पर बोला हमला

जयपुर, एजेंसी । राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने दिल्ली के बीकानेर हाउस के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के बेटे और फोटोग्राफर रेहान वाद्रा की फोटो प्रदर्शनी से 70 से ज्यादा तस्वीरें हटाए जाने की निंदा करते हुए कहा कि कलाकारों की आवाज दबाना लोकतंत्र पर सीधा हमला है। उन्होंने इसके लिए बीजेपी की सरकार पर निशाना साधा और उससे जवाब देने को कहा कि ये तस्वीरें क्यों हटाई गईं। गहलोत ने कहा कि दिल्ली के बीकानेर हाउस में रेहान वाद्रा की फोटो प्रदर्शनी से 70 से अधिक तस्वीरें हटवा दी गईं। उन्होंने कहा कि बीकानेर हाउस राजस्थान सरकार की संपत्ति है यानी बीजेपी सरकार की निगरानी में एक युवा कलाकार की कला का गला घोट्टा गया, जो बेहद तस्वीरें हटवा दी गईं। गहलोत के मुताबिक इस प्रदर्शनी में कई तस्वीरें दिल्ली के युवा आंदोलनों की भी थीं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को सबसे ज्यादा डर उसी सच से लगता है जो जनता के सामने आ जाए। अगर सरकार एक फोटो प्रदर्शनी से घबरा जाती है तो इसका मतलब है कि वह इन आंदोलनों के दौरान उठाए

राहुल गांधी विदेशी संगठनों से मुलाकात और विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग पर जवाब दें : गौरव भाटिया

भाजपा प्रवक्ता ने प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और इंडियन अलायंस पेरिस से संपर्कों पर उठाए सवाल, 10 जनपथ पर हुई मुलाकात का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर विदेशी संगठनों के साथ संपर्कों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राहुल गांधी और सोनिया गांधी से प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई मुलाकात, विदेशी संगठनों से कथित संपर्कों तथा विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग के स्रोतों पर जवाब देने की मांग की। भाटिया ने अपने आरोपों के समर्थन में

फॉक्स न्यूज की डिजिटल जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और इंडियन अलायंस पेरिस का उल्लेख किया।

गौरव भाटिया ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन हिंसा, आगजनी और संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने की गतिविधियों को लोकतांत्रिक अधिकार नहीं माना जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर उन्हें कमजोर करने का प्रयास कर रही है। हालांकि, विदेशी संगठनों के साथ कथित संपर्कों और विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग को लेकर लगाए गए आरोपों पर कांग्रेस का पक्ष सामने आना बाकी है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि फॉक्स न्यूज की डिजिटल जांच रिपोर्ट में नौ देशों में सक्रिय 101 संगठनों के नेटवर्क का उल्लेख किया गया है। उनके अनुसार, रिपोर्ट

अखिलेश को केवल मुस्लिम वोटों की चिंता, आजम की नहीं: मंत्री नरेंद्र कश्यप

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचलों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की वरिष्ठ सपा नेता आजम खान से होने वाली प्रस्तावित मुलाकात को लेकर जुबानी जंग तेज हुई है। योगी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने सपा अध्यक्ष पर तीखा हमला बोलकर कहा कि अखिलेश को आजम खान की समस्याओं की कोई परवाह नहीं है, उन्हें केवल मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण और अपनी राजनीति की चिंता सता रही है। उन्होंने कहा कि आजम खान जेल में मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन सपा प्रमुख केवल स्वार्थ की राजनीति करने में जुटे हुए हैं। योगी के मंत्री कश्यप ने कहा कि राज्य की जनता अब तृष्ठीकरण की राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है। निषाद और कश्यप समाज के आरक्षण के मुद्दे पर कश्यप ने कैबिनेट सहयोगी संजय निषाद के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्गों के आरक्षण के लिए पिछले चार दशकों से प्रयास जारी हैं और इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता चल रही है, जिस पर उचित समय पर फैसला लिया जाएगा। मंत्री कश्यप ने तंज कसते हुए कहा कि निषाद की छटपटाहट आरक्षण से ज्यादा समाज में उनके प्रति बढ़ती नाराजगी को लेकर है, जिसका खामियाजा हाल ही में संत कबीरनगर में उनके बेटे की चुनौती हार के रूप में सामने आया था। फिर भी, एनडीए का सहयोगी होने के नाते उन्हें अपनी बात सरकार के समक्ष रखनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगामी लखनऊ दौर पर मंत्री कश्यप ने कहा कि भाजपा राज्य में होने वाले आगामी चुनावों में क्लोन स्वीप करने की दिशा में काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह 30 अक्टूबर को अपने दो दिवसीय दौरे पर संगठन की समीक्षा करने और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करने वाले हैं। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा, यूपी पुलिस के भत्तों में बढ़ोतरी के फैसले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना कर मंत्री कश्यप ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में पुलिस ने कानून व्यवस्था को मजबूत किया है।

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 306 के पार, हवा लगातार होती जा रही जहरीली

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का हाल बेहाल होता जा रहा है। लगातार नीचे गिरते न्यूनतम तापमान और हवा की रफ्तार में आई कमी से प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस हफ्ते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है। तापमान में यह गिरावट एक्यूआई को और ज्यादा खराब कर रही है। हालांकि ग्रेप का पहला चरण लागू कर दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद हवा की गुणवत्ता में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिल रहा है, हवा लगातार जहरीली होती जा

रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 23 अक्टूबर को तापमान 32 डिग्री और 18 डिग्री के बीच रहेगा। 24 अक्टूबर से आसमान में आंशिक बादल छाएंगे और तापमान 33 डिग्री तक जा सकता है, लेकिन 27 अक्टूबर तक न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 17 डिग्री तक पहुंच जाएगा। दिल्ली के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। डीपीसीसी के आंकड़ों पर नजर डालें तो कई इलाके खराब

-ग्रेप का पहला चरण लागू, 27 अक्टूबर तक 17 डिग्री तक लुढ़केगा तापमान

रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 23 अक्टूबर को तापमान 32 डिग्री और 18 डिग्री के बीच रहेगा। 24 अक्टूबर से आसमान में आंशिक बादल छाएंगे और तापमान 33 डिग्री तक जा सकता है, लेकिन 27 अक्टूबर तक न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 17 डिग्री तक पहुंच जाएगा। दिल्ली के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। डीपीसीसी के आंकड़ों पर नजर डालें तो कई इलाके खराब

- प्रियंका गांधी के बेटे रेहान की प्रदर्शनी से हटाई 70 से ज्यादा तस्वीरें, छिड़ा विवाद – जयपुर**। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के बेटे और फोटोग्राफर रेहान वाद्रा ने कहा है कि बीकानेर हाउस प्रशासन ने उनकी एकल प्रदर्शनी शुरू होने से कुछ घंटे पहले दिल्ली में हालिया विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ी उनकी कई तस्वीरें हटा दीं। प्रदर्शनी 'नो आईडिया इज फाइनल' का प्रिय्यू बुधवार को हुआ था। यह प्रदर्शनी गुरुवार से आम लोगों के लिए खोली गई। रेहान ने कहा कि उन्हें बुधवार को करीब तीन बजे बताया गया कि अगर तस्वीरें शाम पांच बजे तक नहीं हटाई गईं, तो प्रदर्शनी रद्द कर दी जाएगी।

प्रदेश

राहुल गांधी विदेशी संगठनों से मुलाकात और विरोध-

भाजपा प्रवक्ता ने प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और इंडियन अलायंस पेरिस से संपर्कों पर उठाए सवाल, 10 जनपथ पर हुई मुलाकात का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग



समझौता हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि जनता को पूरी जानकारी मिल सके। भाजपा प्रवक्ता ने अल्बानिया में हुई हिंसक घटनाओं और सर्वोच्च न्यायालय सहित सरकारी संस्थानों पर हमलों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि ऐसी टिप्पणियां भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति नकारात्मक संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि संसद और सर्वोच्च न्यायालय देश के लोकतांत्रिक ढांचे के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और इन संस्थाओं का सम्मान बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है।

भाटिया ने राहुल गांधी की ब्रिटेन के सांसद जेरमी कॉर्बिन, अमेरिकी सांसद इल्हान उमर और अन्य विदेशी व्यक्तियों से मुलाकातों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मुलाकातों और विदेशी संगठनों के साथ कथित संपर्कों के उद्देश्य स्पष्ट किए जाने चाहिए। उन्होंने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ कांग्रेस के वर्ष 2008 के कथित पार्टी-स्तरीय समझौते का उल्लेख करते हुए उसके विवरण को भी सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी के मार्च 2023 में लंदन दौरे के दौरान दिए गए बयानों का हवाला देकर भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप के मुद्दे पर सवाल उठाए।

भाटिया ने 28 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी की प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधिमंडल से हुई मुलाकात का उल्लेख किया। उन्होंने कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर प्रकाशित तस्वीरों का हवाला देते हुए सवाल किया कि इस मुलाकात में किन मुद्दों पर चर्चा हुई और क्या कांग्रेस तथा प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के बीच कोई

आने वाले 30 सालों तक देश के प्रधानमंत्री नहीं बनने वाले राहुल गांधी : अमित शाह

-राहुल गांधी पर तंज, मुझे हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर तीखा जुबानी हमला कर कहा है कि विपक्ष अपनी लगातार हो रही हार को छिपाने के लिए वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी का बेबुनियाद बहाना बना रहा है। नई दिल्ली के द्वारा में यमुना पुनरुद्धार से जुड़ी 8,941 करोड़ की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट कहा कि देश की जनता अब कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है और आने वाले अगले 30 सालों तक उसकी केंद्र में सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देकर कांग्रेस के चुनावी इतिहास पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह भ्रम फैला रहा है कि उसकी हार केवल मोदी सरकार के आने के बाद हो रही है, जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उलट है कि कांग्रेस गुजरत में बीते 41 वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल



वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

बीकानेर हाउस विवाद पर भाजपा: राहुल के बाद अब रेहान वाद्रा के लांच की तैयारी –99 चुनाव हार चुके राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी । नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में आयोजित एक आर्ट गैलरी से तस्वीरें हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बड़े राजनीतिक घमासान में बदल चुका है। कांग्रेस द्वारा सेंसरशिप का आरोप लगाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ा पलटवार कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस अब गांधी परिवार की नई पीढ़ी, यानी प्रियंका गांधी वाड़ा के बेटे रेहान वाड़ा को राजनीति में लांच करने की पटकथा लिख रही है। बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने तंज कसते हुए कहा कि सोनिया गांधी द्वारा लांच किया गया राहुल गांधी रूपी उत्पाद पहले ही देश भर में विफल साबित हो चुका है और 99 चुनाव हार चुका है। इसके बाद अब उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड़ा अपने सुपुत्र रेहान वाड़ा को पार्टी के भावी अध्यक्ष के रूप में स्थापित करने के मिशन में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए गांधी परिवार किसी भी हद तक जा सकता है, लेकिन देश में केवल कानून का शासन ही चलेगा। दरअसल यह विवाद तब शुरू हुआ जब प्रियंका गांधी वाड़ा के बेटे और कलाकार रेहान वाड़ा ने आरोप लगाया कि बीकानेर हाउस प्रबंधन ने उनकी कला प्रदर्शनी में शामिल युवाओं के विरोध–प्रदर्शन और तिरंगे वाली दो तस्वीरों पर आपत्ति जताकर उन्हें हटाने को कहा था। रेहान ने इस कार्रवाई को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला और सेंसरशिप करार देकर कहा कि सार्वजनिक कला संस्थानों को कलाकारों के अधिकारों के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए। उन्होंने किसी राजनीतिक दबाव की संभावना से इंकार नहीं किया, लेकिन साथ ही यह भी माना कि उनके पारिवारिक बैकग्राउंड से उन्हें एक मंच जरूर मिला है। दूसरी ओर, भाजपा ने पूरे घटनाक्रम को एक प्रायोजित राजनीतिक स्टंट करार देकर कहा कि कांग्रेस कला की आड़ में केवल अपने राजनीतिक हितों को साधने और नए पारिवारिक नेतृत्व को लांच करने की तैयारी में जुटी है।

राहुल गांधी पर तंज, मुझे हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर तीखा जुबानी हमला कर कहा है कि विपक्ष अपनी लगातार हो रही हार को छिपाने के लिए वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी का बेबुनियाद बहाना बना रहा है। नई दिल्ली के द्वारा में यमुना पुनरुद्धार से जुड़ी 8,941 करोड़ की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट कहा कि देश की जनता अब कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है और आने वाले अगले 30 सालों तक उसकी केंद्र में सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देकर कांग्रेस के चुनावी इतिहास पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह भ्रम फैला रहा है कि उसकी हार केवल मोदी सरकार के आने के बाद हो रही है, जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उलट है कि कांग्रेस गुजरत में बीते 41 वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ब समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

दलेर मेहंदी विवाद पर सीएम धामी: मीका और दलेर दोनों से करुंगा बात

-मंत्री उनियाल की सफाई, किसी कलाकार को ठेस पहुंचाने का नहीं

देहरादून, एजेंसी । उत्तराखंड के टिहरी में आयोजित सिद्धपीठ मां कुंजापुरी मेला के दौरान पंजाबी गायक दलेर मेहंदी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के मामले पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से दलेर मेहंदी और उनके भाई मीका सिंह दोनों से बात करूंगा। उन्होंने साफ किया कि उत्तराखंड की देवभूमि हमेशा से कलाकारों, साहित्यकारों और विद्वानों का सम्मान करती आई है और इस विवाद को अब यहीं समाप्त कर देना चाहिए।

यह विवाद 18 अक्टूबर की रात को तब शुरू हुआ था जब दलेर मेहंदी की लाइव परफॉर्मेंस के दौरान बैकग्राउंड ट्रैक और उनके गायन में तालमेल नहीं बैठ पा रहे थे। इस बात से नाराज होकर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने मंच पर चढ़कर कार्यक्रम रुकवा दिया था और आरोप लगाया था कि 35 लाख का भारी-प्रशानस दुर्गा प्रतीमा विसर्जन के कार्यक्रमों में व्यस्त थे।

केवल लिप-सिंक कर रहे हैं। धामी सरकार में मंत्री उनियाल ने आशंका जाहिर की थी कि गायक किसी नशे में हो सकते हैं। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मनोरंजन जगत और विपक्षी दलों ने मंत्री उनियाल के रवैये की कड़ी निंदा की थी। मुख्यमंत्री धामी ने मंत्री का बचाव कर कहा कि उस समय उनियाल पर जनता और आयोजन समिति का भारी दबाव रहा होगा। मंत्री उनियाल ने भी सफाई में कहा है कि उनका इरादा किसी कलाकार को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उन्हें बाद में पता चला कि दलेर मेहंदी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। मंत्री ने कहा कि यदि गायक चाहिए थी या फिर कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए था। उभर, गायक के भाई मीका सिंह द्वारा मंत्री पर कार्रवाई की मांग के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों गायक उनके मित्र हैं और वे जल्द ही उनसे बात करके पूरे मामले को सुलझा लूं।

अस्वस्थ थे, तब उन्हें इसकी पूर्व जानकारी देनी चाहिए थी या फिर कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए था। उभर, गायक के भाई मीका सिंह द्वारा मंत्री पर कार्रवाई की मांग के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों गायक उनके मित्र हैं और वे जल्द ही उनसे बात करके पूरे मामले को सुलझा लूं।

रणजी ट्रॉफी : हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की बड़ी जीत, पंजाब भी जीता



नई दिल्ली। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में हिमाचल प्रदेश को पारी और 97 रन से हराकर बोस अंक के साथ लगातार दूसरी जीत दर्ज की। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मुकाबले में कई मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन मुंबई और पंजाब ने जीत दर्ज की। पहली पारी आठ विकेट पर 528 रन पर घोषित करने के बाद मुंबई ने पहली पारी में हिमाचल को 140 रन पर ढेर करके फॉलोऑन के लिए मजबूर किया और फिर दूसरी पारी में भी टीम को 291 रन पर ढेर करके आसान जीत दर्ज की। दूसरी पारी में मुंबई की ओर से तेज गेंदबाज मोहित अवस्थी ने 44 रन देकर पांच विकेट चटकाए, जबकि तुषार देशपांडे और शम्भु मुलानी को दो-दो विकेट मिले। तेज गेंदबाज सिलवेस्टर डिस्सुजा ने एक विकेट हासिल किया। हिमाचल की ओर से कप्तान पुष्कराज मान ने 50 जबकि वैभव काल्ता ने 63 रन का योगदान दिया। हिमाचल की टीम अंतिम दिन तीन विकेट

पर 144 रन से आगे खेलने उतरी जिसके बाद मान और काल्ता ने अर्धशतक पूरे किए। पहले मैच में चंडीगढ़ को पारी और 155 रन से हराने वाली मुंबई की टीम दो मैच में 14 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

जयपुर में मेजबान राजस्थान को रेलवे ने ड्रॉ पर रोका। राजस्थान ने हालांकि पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। राजस्थान ने पहली पारी में 497 रन बनाए थे और फिर रेलवे को 338 रन पर समेटकर 159 रन की बढ़त के आधार पर मेहमान टीम को फॉलोआन दिया। रेलवे ने जब दूसरी पारी में दो विकेट पर 174 रन बनाए थे जब मैच ड्रॉ घोषित किया गया। दूसरी पारी में रेलवे के लिए मोहम्मद सैफ ने नाबाद 103 जबकि ईशान गोयल ने नाबाद 57 रन बनाए। इससे पहले ग्रुप के अन्य मुकाबलों में तमिलनाडु ने उत्तराखंड को पारी और 66 रन जबकि हरियाणा ने चंडीगढ़ को पारी और 24 रन से हराया।

पंजाब की जीत में चमके हरजस, एमनजोत

स्पिनर हरजस सिंह और एमनजोत सिंह के तीन तीन विकेट की मदद से पंजाब ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच में बुधवार को छत्तीसगढ़ को सात विकेट से हराया। पहली पारी में 456 रन बनाने के बाद पंजाब ने छत्तीसगढ़ को 206 रन पर आउट करके फॉलोआन खेलने पर मजबूर किया। छत्तीसगढ़ ने दूसरी पारी में 335 रन बनाए जिससे पंजाब को जीत के लिए 86 रन का लक्ष्य मिला। छत्तीसगढ़ के लिए आयुष पांडे ने 252 गेंद में 111 रन बनाए, जबकि अमनदीप खरे भी अर्धशतक जमाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। पंजाब के लिए हरजस ने 92 रन देकर और एमनजोत ने 43 रन देकर तीन तीन विकेट लिए। पंजाब ने 16.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दूसरी पारी में भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजी नहीं की। पहली पारी में उन्होंने एक रन बनाया था।

केरल ने ओडिशा को पारी और 36 रन से हराया

अनुभवी ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर फॉलोऑन खेल रहे ओडिशा को 143 रन पर समेट दिया जिससे केरल ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में पारी और 36 रन से जीत दर्ज की। इस जीत से केरल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। बंगाल लगातार दूसरी जीत के साथ शीर्ष पर है और उसके खते में 12 अंक हैं। फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में बुधवार को चार विकेट पर 102 रन से आगे खेलने उतरी ओडिशा की टीम ने अपने बाकी छह विकेट महज 41 रन के भीतर गंवा दिए।

साक्षात् समाचार

बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ

म्यूनिख । बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच खेला गया चैंपियंस लीग मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। इस मैच के 10वें मिनट में विंगर बुकायो साका को मैदान से बाहर जाना पड़ा। आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने कहा कि साका की जांच की चोट बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है। काई हावर्टज ने एक खतरनाक स्थिति में साका की तरफ गेंद बढ़ाई, लेकिन बायर्न के डिफेंस ने उन्हें घेर लिया। यह साका का इस मैच में आखिरी योगदान साबित हुआ, क्योंकि 9 मिनट बाद ही उन्हें चोट (बिना किसी टक्कर के) के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह एब्रे एजे मैदान पर आए।



आर्टेटा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह उनकी जांच की चोट है। यह मैच की शुरुआत में ही हो गई थी। उनके खेल में जिस स्तर की तीव्रता की जरूरत होती है, वह वाकई कमाल की है। इसमें बेहतरीन क्वालिटी, ताकत और पूरे ध्यान की जरूरत होती है, जो कि उच्चतम स्तर पर होना चाहिए। हालांकि, दुभाग्य से, ऐसी चीजें हो जाती हैं। यह बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है, लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आगे क्या होता है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या साका की चोट से अन्य अटीकंग खिलाड़ियों को मौके मिलेंगे, तो आर्टेटा ने कहा, 'मैं अपने सभी फॉरवर्ड खिलाड़ियों से बहुत प्रभावित हूं। मुझे लगता है कि एजे ने बहुत अच्छा खेल दिखाया, न सिर्फ गोल किया, बल्कि उनके बाकी एक्शन, कुल प्रदर्शन और बिना गेंद के भी उनका खेल शानदार रहा। जब बाकी खिलाड़ी मैदान पर आए, तो उन्होंने टीम में ऊर्जा भरी और मैच से कुछ हासिल करने के लिए जरूरी चीजें प्रदान कीं। इसी कारण मैं एक बार फिर बहुत खुश हूं।'

निंगबो ओपन: जैस्मीन पाओलिनी को हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

निंगबो । अमेरिका की युवा खिलाड़ी इवा जोविक ने निंगबो ओपन में शानदार डेब्यू किया है। गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर हुए राउंड-16 के मैच में उन्होंने दो बार ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल चुकी जैस्मीन पाओलिनी को हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जोविक को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। पहले सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की और पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 18 वर्षीय जोविक की सर्विस पहले सेट में एक बार ब्रेक हुई थी और वह 1-3 से पीछे चल रही थीं। हालांकि, धीमी शुरुआत के बाद उन्होंने वापसी की और पांचवें तथा नौवें गेम में पाओलिनी की सर्विस ब्रेक करके पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी इटली की खिलाड़ी पाओलिनी को अपनी सर्विस के साथ संघर्ष करना पड़ा, और जोविक ने चार बार उनकी सर्विस ब्रेक की। हालांकि, इस दौरान अमेरिकी खिलाड़ी जोविक की भी दो बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन फिर भी उन्होंने दूसरा सेट जीतकर सीधे सेटों में जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ जोविक और पाओलिनी के बीच हेड टू हेड मुकाबलों का रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है। यह पाओलिनी के खिलाफ जोविक की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी पाओलिनी को हराया था।

भारत ने टी20 में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया पहले मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करते हुए नया इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने 226 रन के लक्ष्य को 1914 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया और मुकाबला 4 विकेट से अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मैच के आखिरी ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों ने दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन किया। नमन धीर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारत की इस जीत की सबसे खास बात यह रही कि टीम ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया।

न्यूजीलैंड ने बनाए 225 रन

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाए। कीवी बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरे और भारतीय गेंदबाजों के सामने बड़ा लक्ष्य रखा। न्यूजीलैंड ने इस स्कोर के साथ भारत के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में अपने सबसे बड़े स्कोर की बराबरी की। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 226 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य था।

संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर ने संभाली पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने के लिए मजबूत बल्लेबाजी की जरूरत थी। संजू सैमसन ने 67 रन की शानदार पारी खेलकर रन चेज को मजबूती दी। वहीं, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 42 रन बनाकर टीम की जीत की राह आसान की। भारतीय बल्लेबाजों ने जरूरी रन गति बनाए रखी और मुकाबले को आखिरी ओवरों तक पहुंचाया। दबाव के बावजूद टीम ने लक्ष्य हासिल करने का सिलसिला जारी रखा।

पैरा एशियन गेम्स में भारत का रहा गोल्डन डे 4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज भी जीते

नागोया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में गुरुवार को 6 गोल्ड, 4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल जीते। इसके साथ ही भारत के कुल मेडल की संख्या 86 हो गई। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमर कुमार की जोड़ी ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। शीतल ने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में भी सोना अपने नाम किया। एथलेटिक्स में शैलेश कुमार ने पुरुषों की हाई जंप में 1.89 मीटर की छलांग लगाकर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड जीता। दिलीप गावित ने पुरुषों की 400 मीटर T47 और अंजनाबेन बुम्बाडिया ने महिलाओं की 400 मीटर T47 स्पर्धा में सोना अपने नाम किया। सुवर्ण राज ने भी गोल्ड मेडल जीता।

एथलेटिक्स : दिलीप ने लगातार दूसरी बार गोल्ड जीता

पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की 400 मीटर T47 स्पर्धा में दिलीप महादू गावित ने 48.27 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। भाविक कुमार भरवाड़ ने 49.31 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। दिलीप ने 2022 के पैरा एशियन गेम्स में भी गोल्ड जीता था।

भारत ने हाई जंप में

क्लीन स्वीप किया

पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की हाई जंप T42/T63 स्पर्धा में भारत ने तीनों मेडल जीतकर पोज़ियम पर कब्जा जमाया। शैलेश कुमार ने 1.89 मीटर की छलांग लगाकर गोल्ड मेडल जीता और नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। वरुण सिंह भाटी ने 1.84 मीटर की छलांग के साथ सिल्वर और राहुल ने 1.81 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। भारत ने 2022 के बाद लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा के तीनों मेडल जीते।



8 बार की व चैंपियन को 30 मिनट में हराया! 18 साल की अनाहत ने किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए मिस्त्र की दिग्गज नूर एल शेरबिनी को शिकस्त दी। 18 वर्षीय अनाहत ने सिलिकॉन वैली ओपन के दूसरे दौर में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी और आठ बार की विश्व चैंपियन एल शेरबिनी को सीधे गेम में 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने यह मुकाबला महज 30 मिनट में अपने नाम किया। अमेरिका के रेडबुल सिटी में खेले जा रहे 1,43,500 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट में एल शेरबिनी शीर्ष वरीय खिलाड़ी थीं। उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अनाहत ने शुरुआत से ही उन्हें दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्होंने पहले दो गेम 11-8 के समान अंतर से जीते, जबकि तीसरे गेम में 11-7 से जीत दर्ज की। यह अनाहत के करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। वह हाल ही में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर लौटी हैं। इस प्रदर्शन से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश में अपनी बढ़ती ताकत का एक और उदाहरण पेश किया।

आठ बार की विश्व चैंपियन हैं एल शेरबिनी

एल शेरबिनी स्क्वैश की सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह अपने करियर में आठ बार विश्व चैंपियन बन चुकी हैं और चार बार ब्रिटिश ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। वह 265 सप्ताह तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर भी रह चुकी हैं। ऐसे खिलाड़ी को सीधे गेम में हराना अनाहत के लिए बड़ी उपलब्धि है। अनाहत का अगला मुकाबला मिस्त्र की दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी सलमा हानी से होगा। अनाहत ने 2023 में पेशेवर स्क्वैश में कदम रखा था। पूर्व विश्व नंबर एक ग्रेगरी गॉल्टथर के साथ सौरव घोषाल और स्टीफन गैल्लिफी के मार्गदर्शन में वह खेल रही हैं। इस साल उन्होंने विश्व जूनियर चैंपियनशिप का खिताब भी जीता था। अब उनकी नजर सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होगी।

मैंने उनके हर मैच को देखकर सीखा है

जीत के बाद अनाहत ने माना कि उन्हें अपनी आदर्श खिलाड़ी के खिलाफ इस तरह के नतीजे की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनके हर मैच को देखकर सीखा है। मैं उनकी प्रशंसा कर रही हूं और अपने करियर में वह सब हासिल करना चाहती हूं, जो उन्होंने किया है।' अनाहत ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कोच ने मुकाबले से पहले उन्हें भरोसा दिलाया था कि अगर वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेलती हैं, तो जीत का मौका बन सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा था कि शुरुआत में मुझे उनके खेल को समझने और मुकाबले में खुद को ढालने में थोड़ा समय लगेगा। लेकिन मेरी रणनीति अच्छी तरह काम कर गई और मैं उसी पर कायम रही। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि मैं जीत गई हूं।'





अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पृष्ठ रही हैं, ‘तू कब आएगा?’

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, ‘मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शव्ल भूल तो नहीं गया?’ अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, ‘मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, मैं वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठाकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।’ अनुपम खेर ने आगे लिखा, ‘फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है।’ अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, ‘अच्छ चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहींज कोई बात नहीं।’ उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है। अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, ‘कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूं, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक् करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते हुए। आपका चेहरा कैसे भूल सकता हूं, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।’

मीका सिंह ने जताई चिंता

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद गायक मीका सिंह ने मुंबई में सार्वजनिक सुरक्षा पर चिंता जताई है। सिंह ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कदम



उठाने का आग्रह किया। सोशल मीडिया पर मीका ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की और कहा कि मुंबई को पारंपरिक रूप से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक माना जाता है, जहां लोग, विशेषकर महिलाएं, देर रात यात्रा करने और चलने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। उन्होंने लिखा, मुंबई को हमेशा

से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक के रूप में जाना जाता है, जहां लोग-खासकर महिलाएं- देर रात तक चलने, काम करने और यात्रा करने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। लेकिन टाइगर श्रॉफ से जुड़ी घटना के बाद, यह हमारी सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंता पैदा करता है। गायक ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी शहर में घूमते समय डर महसूस नहीं होना चाहिए और अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेने की अपील की।



रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता: गुरमीत चौधरी

अपनी आगामी रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म तुम मेरे हो को लेकर बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चौधरी उत्साहित हैं। गुरमीत की यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है जिसमें आठ गाने मौजूद हैं। गुरमीत का मानना है कि बॉलीवुड में रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि फिल्मों में कहानियाँ और उनका प्रस्तुतिकरण भले ही समय के साथ बदलता रहे, लेकिन प्यार की कहानियाँ और दिल को छू लेने वाले गीत हमेशा दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाए रखते हैं। गुरमीत चौधरी ने बातचीत में बताया कि तुम मेरे हो को काफी प्यार के साथ बनाया गया है। इसमें रोमांस, म्यूजिक और एक खूबसूरत लव स्टोरी देखने को मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म में कुल आठ गाने हैं, जिन्हें बेहतरीन म्यूजिक कंपोजर्स और सिंगर्स ने तैयार किया है, और तीन गाने तो पहले ही हिट हो चुके हैं। गुरमीत के अनुसार, प्यार की कहानियों की अपनी एक अलग जगह होती है; एक अच्छी लव स्टोरी हमेशा लोगों के दिलों से जुड़ती है और इसका असर लंबे समय तक बना रहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तुम मेरे हो सिर्फ रोमांस पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें म्यूजिक भी कहानी का एक अहम हिस्सा है। बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की लोकप्रियता पर बात करते हुए गुरमीत ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कई इंटेंस कहानियों वाली फिल्में आई हैं और दर्शकों ने उन्हें पसंद भी किया है। हालाँकि, अच्छी कहानियों और यादगार गानों वाली रोमांटिक फिल्मों का अपना अलग क्रेज आज भी बना हुआ है। उन्होंने आशिकी, आशिकी 2 और सैयारा जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन फिल्मों में म्यूजिक और रोमांस का मेल दर्शकों को हमेशा आकर्षित करता रहा है। गुरमीत ने समझाया कि अच्छी धुनें और प्यार से जुड़ी कहानियाँ लोगों के साथ आसानी से जुड़ जाती हैं, और यही वजह है कि रोमांटिक फिल्मों के गाने लंबे समय तक लोगों की जुबान पर रहते हैं और फिल्म की पहचान बन जाते हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संगीत की अहम जगह को भी उजागर किया। गुरमीत ने

कहा कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी संगीत किसी न किसी रूप में शामिल रहता है। घर में सुबह उठने से लेकर डांट खाने तक, हर मौके पर गाने याद आ जाते हैं। ऐसे में अगर किसी फिल्म में अच्छे गाने हों, तो दर्शकों के सिनेमाघरों तक पहुँचने की संभावना भी बढ़ जाती है।



बचपनमेंसीता का किरदार निभाया करती थीं हर्षिता गौर

सीरीज मिर्जापुर की अभिनेत्री हर्षिता गौर ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए दशहरे के त्योहार से जुड़ी खूबसूरत यादें साझा की हैं। सीरीज में डिम्पी पंडित और सद्भा हक में सयुक्ता के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली हर्षिता गौर ने बताया कि दिल्ली में दशहरा एक खास रौनक लेकर आता था, और वह बचपन में स्कूल व सोसायटी के कार्यक्रमों में सीता का किरदार निभाया करती थीं। यह त्योहार उनके परिवार और शहर के उत्साह का प्रतीक था, और रावण दहन के बड़े-बड़े पुतले उनकी यादों का एक अविस्मरणीय हिस्सा रहे हैं। हर्षिता गौर ने कहा, दिल्ली में दशहरे की अपनी अलग रौनक होती है, खासकर जब आप इसे बचपन की यादों के साथ देखते हैं। उन्होंने रावण के विशाल पुतलों को लेकर बचपन में होने वाले उत्साह और त्योहार के दौरान पूरे शहर में नजर आने वाले जश्न का जिक्र किया। अभिनेत्री ने अपनी उन यादों को भी साझा किया जब वह दशहरे पर स्कूल या अपनी सोसायटी के मैदान में होने वाले नाटकों में सीता का किरदार निभाती थीं। उन्होंने कहा कि वे यादें आज भी उनके साथ हैं, और परिवार के साथ बाहर जाकर जश्न का हिस्सा बनना तथा सबके साथ मिलकर त्योहार मनाना, इन सब चीजों

ने दशहरे को उनके लिए खास बनाया। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ने के बाद भी बचपन के ये पल हमेशा याद रहते हैं। उन्होंने महसूस किया कि कई बार साधारण-सी दिखने वाली यादें ही समय के साथ सबसे खास बन जाती हैं। हर्षिता ने कहा, आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो इन्हीं छोटे-छोटे पलों को सबसे ज्यादा संजोकर रखती हूँ। बचपन की ये यादें उसके बीत जाने के लंबे समय बाद भी आपके साथ रहती हैं। वर्कफंट की बात करें तो, हर्षिता गौर हाल ही में मिर्जापुर-द मूवी में नजर आई थीं। यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म मिर्जापुर की दुनिया पर आधारित है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार और रवि किशन जैसे जाने-माने कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वेब सीरीज के पहले सीजन की कहानी के दौरान की घटनाओं को दर्शाती है। इसके अलावा, हर्षिता ओटीटी पर क्राइम ड्रामा सीरीज वेटिंग हे में भी नजर आई थीं, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया था। इस सीरीज में दिव्येंदु, भुवन अरोड़ा, कुमुद मिश्रा और सुनीता राजवर जैसे कलाकार भी शामिल थे।

नई नवेली ने दो दिनों में कमाए 10.3 करोड़



यामी गौतम अभिनीत फिल्म ‘नई नवेली’ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत करती नजर आ रही है। फैंटेसी और फैमिली एंटरटेनमेंट से भरपूर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन कमाई में बढ़त दर्ज की है। फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 4.6 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया था, जबकि दूसरे दिन 5.7 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड ग्राँस कलेक्शन दो दिनों में 10.3 करोड़ रुपये हो गया है। मेकर्स को उम्मीद है कि त्योहारों के सीजन में फिल्म को परिवारों का अच्छा साथ मिलेगा। ‘नई नवेली’ की दूसरे दिन की कमाई में आई बढ़त से मेकर्स को आने वाले दिनों के लिए उम्मीदें हैं। फिल्म की कहानी, फैंटेसी से भरी दुनिया और यामी गौतम के नए अवतार को दर्शकों के सामने इसकी खासियत के तौर पर पेश किया जा रहा है। फिल्म में महाकाव्य की कहानी को पारिवारिक भावनाओं और एक्शन के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म में अनोखे किरदार, अप्रत्याशित ट्विस्ट और अच्छाई-बुराई के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है। यही वजह है कि इसे फैमिली एंटरटेनर के तौर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है।

विजयादशमी पर पुरी पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा, श्रीमंदिर में भगवान जगन्नाथ के किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने विजयादशमी के मौके पर ओडिशा के पुरी में मौजूद श्रीमंदिर के दर्शन किए। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना करने के साथ सभी के लिए, खासकर बच्चों के लिए, ईश्वरीय आशीर्वाद मांगा। इस दौरान गोविंदा ने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर प्रभु ने मुझ पर यह कृपा की कि मैं यहां आकर प्रार्थना और पूजा कर पाया। मैं धन्यवाद देता हूं इस भूमि का, यहां से जुड़े हुए हर वर्ग का और यहां के जो-जो कलाकार हैं, जहां-जहां है उनको। उन्होंने कहा, ‘यहां जो राज्य कृपा है, वह सदैव रहे। जय मां। भूल-चूक क्षमा करना। मैं प्रार्थना करता हूँ कि जो कृपा हम पर रही, वही मेरे बच्चों पर भी रहे।’ इस दौरान उन्होंने ‘महामृत्युंजय मंत्र’ का भी जाप किया और सभी के मंगल की कामना की। बता दें कि गोविंदा हिंदी सिनेमा के एक लोकप्रिय अभिनेता होने के साथ-साथ डांसर और राजनेता हैं। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और पर्दे पर की जाने वाली कॉमेडी की बदौलत, उन्हें बॉलीवुड का ‘कॉमेडी किंग’ भी माना जाता है।



1990 के दशक में, उन्होंने कॉमेडी और व्यंग्य की अपनी अनूठी शैली से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और अपनी फिल्मों में कई तरह के अलग-अलग किरदार निभाए। अभिनेता ने 1980 के दशक में एक एक्शन हीरो के रूप में अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन 1990 के दशक में उन्होंने खुद को एक कॉमेडी हीरो के रूप में फिर से स्थापित किया। गोविंदा मुख्य रूप से ‘कुली नंबर 1’, ‘हीरो नंबर 1’, ‘आंटी नंबर 1’ और ‘अनाडी नंबर 1’ जैसी सुपरहिट मनोरंजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एक्टर ने अपने तीन दशक लंबे करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। आज भी लोग फिल्मों में उनकी कॉमेडी और डांस मूव्स के दिवाने हैं।



पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल है, लेकिन कुछ लोग पावर का गलत इस्तेमाल करते हैं: मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म ‘गजब रात’ में अजय दीक्षित नाम के एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि वह सिर्फ वर्दी का किरदार नहीं निभा रहे हैं, बल्कि वर्दी के पीछे जो इंसान है, उसकी कहानी निभा रहे हैं। मनोज बाजपेयी ने कहा, ‘मैं किसी भी वर्दी का किरदार नहीं निभा रहा हूँ, बल्कि वर्दी के पीछे एक इंसान का किरदार निभा रहा हूँ। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी कहानियाँ, परेशानियाँ और सफर होता है, तो हम बस उसे ही दिखाने का प्रयास कर रहे हैं।’

मनोज ने बताया कि उनके लिए वर्दी से ज्यादा उस इंसान और उसकी जिंदगी को दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा, ‘हम किरदार पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उसके पेशे पर नहीं। जब उसके पीछे की कहानी बनती है, तो वो सब कुछ खुद ही बता देती है। इसीलिए आपको मेरा कोई भी किरदार एक जैसा नहीं लगेगा।’ अभिनेता का मानना है कि पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल और चुनौतीभरी होती है और उनके कई दोस्त खुद पुलिस में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पुलिस वाले अपनी पावर का गलत इस्तेमाल भी करते हैं।

मनोज बाजपेयी ने कहा, ‘हर पेशे में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं, तो मेरे लिए ये देखना बेहद जरूरी है कि मैं जिससे बात कर रहा हूँ, जिसका काम देख रहा हूँ या जिसकी तारीफ और बुराई हो रही है, तो वाकई उसके लिए ठीक है या नहीं। मैं जानता हूँ कि पुलिस की इयूटी बहुत ही मुश्किल होती है। मेरे बहुत सारे अच्छे दोस्त पुलिस में हैं, लेकिन कई बार हम ऐसी खबरें भी पढ़ते हैं, जहां कुछ लोग अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करते हैं।’ उन्होंने आगे कहा, ‘वैसे ही हमारी इंडस्ट्री में भी बहुत सारे अच्छे एक्टर हैं, लेकिन एक-दो लोगों की वजह

से पूरी इंडस्ट्री की बदनामी हो जाती है। हमेशा ऐसा होता है कि आप किसी को हमारे पेशे में एकदम भगवान बना देते हैं और फिर बाद में किसी दूसरे के गलत करने पर उस पर भी सवाल उठाने लगते हैं। हमें हर इंसान को अलग-अलग नजर से देखना चाहिए और मैं यही करता हूँ।’ रितेश शाह द्वारा निर्देशित फिल्म एक वन-नाइट थ्रिलर है, यानी पूरी कहानी एक ही रात के घटनाक्रम पर आधारित है। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा, नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, साकिब सलीम और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में हैं।



किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक़्त साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती हैं कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिक्रिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुत जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म

होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।



खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पोजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पोजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़े भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वार पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।



आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें



डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरुआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिशू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फेले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्प्लिमेंट करता हो।



तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिगगी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं हैं। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें। स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और

कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें। डिनर, पूजा और फैमिली गेदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें। बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाएं। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रेशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रेशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रेशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मॉकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें। उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें। बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

